CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 210 ता. 15 फरवरी 2022, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भारत ने चीन पर की डिजिटल स्ट्राइक, 54 चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली। भारत सरकार ने एक बार फिर चीन पर डिजिटल स्ट्राइक की है। सूत्रों के अनुसार, भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले 54 चीनी ऐप्स पर भारत सरकार प्रतिबंध लगाएगी। एएनआइ के अनुसार, इन 54 चीनी ऐप्स में ब्यूटी कैमरा- स्वीट सेल्फी एचडी, ब्यूटी कैमरा- सेल्फी कैमरा, ईक्वलाइजर एंड बेस बूस्टर, कैमकार्ड फॉर सेल्सफोर्स एंट, इसोलैंड 2- एशेज ऑफ टाइम लाइट, वीवा वीडियो एडिटर, टेनसेन्ट एक्सराइवर, ऐप लॉक और डुअल स्पेस लाइट शामिल हैं। दरअसल, इससे पहले पिछले साल जून में भारत ने देश की संप्रभुता और सुरक्षा के खतरे को ध्यान में रखते हुए व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे टिकटाक, वीचैट और हेलो सहित 59 चीनी मोबाइल एप्लिकेशन पर प्रतिबंध लगा दिया था। 29 जून के आदेश में प्रतिबंधित अधिकांश ऐप्स को लेकर खुफिया एजेंसियों ने चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि, उपयोगकर्ता डेटा एकत्र कर रहे हैं और संभवतः उन्हें बाहर भी भेज रहे हैं। बता दें कि, भारत सरकार द्वारा यह कार्रवाई 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के बाद चीन के खिलाफ की गई थी। पूर्वी लद्दाख की गालवान घाटी में हिंसक झड़प में 20 सैनिक शहीद हो गए थे। हालांकि, सितंबर में भारत सरकार ने 118 चीनी मोबाइल ऐप्स पर भी प्रतिबंध लगाया था। भारत सरकार की तरफ से ये कहा गया था कि, भारत की संप्रभुता और अखंडता, भारत की रक्षा, राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए ये ऐप्स हानिकारक हैं। वहीं, चीन ने ऐप्स पर प्रतिबंध लगाए जाने के भारत सरकार के फैसले का विरोध किया था। चीन ने कहा था कि, यह कार्रवाई विश्व व्यापार संगठन के गैर-भेदभावपूर्ण सिद्धांतों का उल्लंघन है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को झटका

सांसद अर्जुन सिंह के तीन सहयोगी टीएमसी में शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक बार फिर भाजपा को झटका लगा है। लोकसभा सांसद अर्जुन सिंह के तीन सहयोगियों ने रविवार को टीएमसी जॉइन कर ली। इसमें भाटपाड़ा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चेयरमैन सौरव सिंह और पूर्व विधायक सुनील सिंह भी शामिल हैं। सौरव सिंह को भाजपा ने निकाय चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार भी घोषित किया था। उन्होंने अपना नामांकन पत्र भी भर दिया था।

सुनील सिंह नोआपारा से विधायक रह चुके हैं। उन्हें भी भाजपा ने नोआपारा में नगर निगम के चुनाव में प्रत्याशी बनाया था। सुनील सिंह के साथ उनके बेटे आदित्य सिंह और अर्जुन सिंह के भतीजे सौरव सिंह ने अपना नामांकन वापस ले लिया। बाद में इन तीनों ने ही टीएमसी जॉइन कर ली।

टीएमसी में भी आपसी कलह

एक तरफ भाजपा के कई नेता टीएमसी में शामिल हो गए हैं तो दूसरी तरफ टीएमसी में भी अंदरूनी कलह की खबरें बाहर आ रही हैं। ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के बीच टकराव की खबरें भी चर्चा में हैं। इस कलह के बाद ममता बनर्जी ने 20 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति का ऐलान किया है। यह समिति ममता बनर्जी के नियंत्रण को बढ़ाने और पुराने और नए नेताओं के बीच के टकराव को रोकने का काम करेगी।

ममता और प्रशांत किशोर का ब्रेक-अप तय? CM ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग

बताया गया कि ममता बनर्जी समिति के पदाधिकारियों के नाम का ऐलान बाद में करेंगी और इसके बाद लिस्ट निर्वाचन आयोग के पास भेजी जाएगी। बता दें कि अभिषेक बनर्जी के साथ कई युवा नेता पार्टी में एक व्यक्ति एक पद की वकालत करते हैं जबकि पुराने नेताओं ने इसे अनुशासनहीनता करार दिया है।

ISRO ने दर्ज की एक और सफलता, जानें

क्या काम करेगा ईओएस-04 सैटलाइट

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इस साल भी सफलताओं की सीढ़ियां चढ़नी शुरू कर दी हैं। सोमवार को ह्रस्त्रह्व ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी52 के जरिए सैटेलाइट ईओएस-04 को सफलतापूर्व प्रक्षेपित किया। इसके साथ दो अन्य छोटे सैटलाइट्स को भी अंतरिक्ष में भेजा गया। लॉन्च के साथ ही लोगों ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया। रविवार को ही इस मिशन की उल्टी गिनती शुरू हो गई थी।

क्या काम करेगा यह सैटलाइट

पीएसएलवी-सी 52 के माध्यम से जिस उपग्रह ईओएस-04 को धरती की कक्षा में भेजा गया है वह धरती पर नजर रखने का काम करनेगा। इसके अलावा दो छोटे-छोटे ध्रुवीय उपग्रहों को भी अंतरिक्ष में भेजा गया है। इसके लिए 25 घंटे और 30 मिनट की उल्टी गिनती की गई। ईओएस-04 एक रडार इमेजिंग सैटलाइट है जिसका काम कृषि, वृक्षापोपण, मिट्टी की नमी, बाढ़ मानचित्र, जल विज्ञान और मौसम विज्ञान संबंधी जानकारियां भेजना है।

क्या करेंगे छोटे उपग्रह

जिन दो छोटे उपग्रहों को भेजा गया है उन्हें कोलोराडो यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर तैयार किया गया है। इसके अलावा एक उपग्रह को भारतीय अंतरिक्ष एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में बनाया गया है। इन उपग्रहों के जरिए आयनमंडल और सूर्य की कोरोनल ऊष्मीय प्रक्रियाओं के बारे में रिसर्च किया जाएगा। दूसरे उपग्रह के जरिए भूमि के तापमान, आर्द्रता आदि का पता लगाया जाएगा।

बता दें कि पीएसएलवी की यह 54वीं उड़ान है। इसके अलावा 6 पीएसओएस-एक्सएल (स्ट्रैपऑन मोटर्स) के जरिए इस सिस्टम का प्रयोग करते हुए यह 23वां अभियान है। पीएसएलवी के जरिए भेजे गए इस उपग्रह को धरती से 529 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है।

हिजाब विवाद पर बोले सीएम योगी आदित्यनाथ, सबको भगवा पहनने का दे सकता हूं आदेश ?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिजाब विवाद पर अपनी राय जाहिर की है। यूपी में 9 जिलों की 55 सीटों पर वोटिंग के बीच न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिजाब विवाद पर अपनी राय जाहिर करते हुए कहा है कि स्कूल में ड्रेस कोड लागू होनी चाहिए। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या वह प्रदेश में सभी को भगवा पहनने का आदेश दे सकते हैं?

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, भारत की व्यवस्था संविधान के अनुरूप चलनी चाहिए, हमारी व्यक्तिगत आस्था और पसंद-नापसंद हम देश और संस्थाओं पर लागू नहीं कर सकते हैं। क्या मैं उत्तर में सभी कर्मचारियों या लोगों को बोल सकता हूं कि आप भी भगवा धारण करें? स्कूल में ड्रेस कोड लागू होना चाहिए। सीएम योगी ने आगे कहा, स्कूल का विषय है, स्कूल के अनुशासन का विषय है। आर्मी में कोई कहेगा कि हम अपने अनुसार चलेंगे, फोर्स में कोई इस प्रकार की बात कहेगा? कहां अनुशासन रह पाएगा। व्यक्तिगत आस्था आपकी अपनी जगह होगी, लेकिन जब संस्थाओं की बात होगी तो हमें संस्था के नियम कानून को हमें मानना होगा।

गजवा-ए-हिंद का सपना कयामत के दिन तक नहीं होगा साकार-योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नए भारत

में विकास सबका होगा लेकिन तुष्टीकरण किसी का नहीं। सरकार सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ कार्य कर रही है। नया भारत संविधान के अनुरूप चलेगा, शरीयत के अनुरूप नहीं। मैं स्पष्टता से कह सकता हूं कि गजवा-ए-हिंद का सपना कयामत के दिन तक भी साकार नहीं होगा।

हिजाब विवाद पर राकेश टिकैत की देशवासियों को नसीहत, हिसाब पर करें बात वरना बिक जाएगा देश

नई दिल्ली। कर्नाटक के स्कूल और कॉलेजों में हिजाब को लेकर छिड़े विवाद के बीच किसान नेता राकेश टिकैत ने टिप्पणी की है। उन्होंने हिजाब पर छिड़े विवाद को गैर-जरूरी करार दिया है। राकेश टिकैत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कू पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'हिजाब पर नहीं, देश में बैंकों के हिसाब पर आंदोलन करो मेरे प्यारे देशवासियों। यही हालात रहे तो देश बिकते देर नहीं लगेगी और हम ऐसा होने नहीं देंगे।' हिजाब विवाद को लेकर राकेश टिकैत की यह टिप्पणी अहम है क्योंकि वह अकसर ऐसे मुद्दों को हिंदू-मुस्लिम का मसला बताकर टालते रहे हैं।राकेश टिकैत इससे पहले भी बैंकों के निजीकरण, धोखाधड़ी के मामलों को उठाते रहे हैं। यही नहीं बैंकों के लिए वह अगला आंदोलन करने की भी चेतावनी दे चुके हैं। खासतौर पर उत्तर प्रदेश में चुनाव के बीच हिजाब विवाद को लेकर राकेश टिकैत की यह टिप्पणी अहम है। इससे पहले राज्य में प्रथण चरण के मतदान के दौरान भी राकेश टिकैत ने हिंदू मुसलमान की राजनीति का दौर समाप्त होने की बात कही थी। राकेश टिकैत ने लिखा था, पश्चिम यूपी में अब आपस में बांटने, झगड़ने, मुद्दाविहीन राजनीति करने के दिन लद गए। किसानों-कमेरों और ग्रामीण जनता ने नफरत को नकार मुद्दों पर वोट डाले, आगे भी डालेंगे। ये आंदोलन की देन है। लोकतंत्र की मजबूती और बेलगाम सरकारों पर अंकुश के लिए आंदोलन भी जरूरी है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दूसरे राउंड के लिए आज मतदान हो रहा है। दूसरे चरण में मुरादाबाद, रामपुर, संभल, बिजनौर, सहारनपुर समेत कई जिलों की 55 सीटों पर वोटिंग हो रही है। मुस्लिम बहुल इन सीटों पर भाजपा और सपा के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। इसके अलावा बसपा, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम का भी प्रभाव मुरादाबाद, संभल और अमरोहा जैसे जिलों में देखने को मिल रहा है। सपा गठबंधन का मानना है कि जाट मुस्लिम मतदाताओं के ध्रुवीकरण के चलते उसे पहले और दूसरे चरण में फायदा होगा।

प्लास्टिक से बने चम्मच, गिलास से लेकर झंडे-बैनर और ईयरबड तक सब होंगे बंद

नई दिल्ली। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्लास्टिक के झंडों से लेकर ईयरबड तक पर एक जुलाई से पाबंदी होगी। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने इसके उत्पादन, भंडारण, वितरण और इस्तेमाल से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। इसमें 30 जून से पहले इन पर पाबंदी की तैयारी पूरी करने को कहा गया है। एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक को पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक माना जाता है। ये प्लास्टिक उत्पाद लंबे समय तक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। नुकसान को देखते हुए अगस्त 2021 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने इस पर रोक को लेकर अधिसूचना जारी की थी। इसमें एक जुलाई से इस तरह के तमाम आइटमों पर पाबंदी लगाने को कहा गया था। इसी क्रम में सीपीसीबी की ओर से सभी संबंधित पक्षों के लिए नोटिस जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि 30 जून तक इन आइटमों पर पाबंदी की सारी तैयारी पूरी कर ली जानी चाहिए।

इन वस्तुओं पर रहेगी पाबंदी - सीपीसीबी के नोटिस के मुताबिक एक जुलाई से प्लास्टिक स्टिक वाले ईयरबड, गुब्बारे में लगने वाले प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम स्टिक, सजावट में काम आने वाले थर्माकोल आदि शामिल हैं। इसके साथ ही प्लास्टिक कप, प्लेट, गिलास, कांटा, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे जैसी कटलेरी आइटम, मिठाई के डिब्बों पर लगाई जाने वाली प्लास्टिक, प्लास्टिक के निमंत्रण पत्र, 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले पीवीसी बैनर आदि शामिल हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक न आसानी से नष्ट होता है, न रिसाइकिल होता है

इस प्लास्टिक के नैनो कण घुलकर पानी और भूमि को प्रदूषित करते हैं

जलीय जीवों को तो नुकसान पहुंचाते ही हैं, नाले चोक होने का भी कारण हैं

समयसीमा के अंदर स्टॉक खत्म करने को कहा

सीपीसीबी ने सभी उत्पादकों, स्टॉकिस्ट, दुकानदारों, ई-कॉमर्स कंपनियों, स्ट्रीट वेंडर, मॉल, मार्केट, शॉपिंग सेंटर, सिनेमा हॉल, टूरिस्ट लोकेशन

उन्नाव में दलित युवती की हत्या: पीड़ित परिवार से मिलीं बीएसपी प्रमुख मायावती, सपा को घेरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में बीते दिनों दलित समुदाय की एक युवती की कथित हत्या के मामले में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) के एक स्थानीय नेता की भूमिका सामने आने का आरोप लगाते हुए इस मामले में पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। मायावती ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर परिजनों को भरोसा दिलाया है कि संकट की इस घड़ी में पार्टी उनके साथ है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी दी। मायावती ने पीड़ित परिपार से रविवार को यहां हुई

मुलाकात की अपनी तस्वीर साझा करते हुए बताया, %उन्नाव में दलित युवा लड़की का अपहरण कर उसकी नृशंस हत्या के संगीन मामले में पीड़ित परिवार के लोग समुचित न्याय की तलाश में कल रात लखनऊ आकर मुझसे मिले और अपनी दु:ख भरी व्यथा सुनाई, जिससे स्पष्ट है कि सपा नेता के बेटे सहित लोकल पुलिस भी पूरी तरह से इसके लिए जिम्मेदार है। गौरतलब है कि हाल ही में उन्नाव में दलित युवती के अपहरण और हत्या के मामले में एक सपा नेता की कथित भूमिका होने के आरोप लगते के बाद से ही राजनीति गरमा गई है। मृतका का शव उक्त सपा नेता के खेत के पास से बरामद हुआ था। मायावती ने इस मामले में पुलिस के लचर रवैये की भी आलोचना की है।

उन्होंने ट्वीट कर सरकार से लापरवाही के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करने की मांग करते हुए कहा, %उन्नाव पुलिस अगर पीड़ित परिवार की शिकायत का समय से संज्ञान ले लेती तो यह घटना नहीं होती। सरकार दोषी पुलिस वालों को बर्खास्त करे तथा उनके खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज करके उन्हें जेल भेजे। साथ ही गरीब पीड़ित परिवार की उचित कानूनी पैरवी की व्यवस्था करे, बीएसपी की यह मांग।बसपा की ओर से जारी बयान के अनुसार मृतका के माता, पिता और भाई बहन सहित अन्य परिजनों ने मायावती के लखनऊ स्थित आवास पर मुलाकात की। मायावती ने पीड़ित परिवार से घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने इस घटना को बेहद गंभीर बताते हुए आश्वासन दिया कि संकट की इस घड़ी में बसपा उनके साथ है। पार्टी का कहना है कि पीड़ित परिजनों को बसपा प्रमुख से मिलने के बाद न्याय की उम्मीद जगी है।

महिलाओं के मुफ्त सफर पर दिल्ली सरकार ने चुकाए इतने रुपए, सुरक्षा में तैनात मार्शल पर खर्च हुए 35 करोड़

नई दिल्ली। बसों में मुफ्त सफर योजना का लाभ मिलने से महिलाओं की यात्रा आसान हो गई है। अब उसे कहीं आने जाने में सोचना नहीं पड़ रहा है। वहीं योजना के शुरू होने बाद से अबतक दिल्ली सरकार की ओर से इस पर 484.15 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। लॉकडाउन के बाद भी बसों में भले ही कुल यात्रियों की संख्या में कमी आई पर महिला यात्रियों की संख्या में बहुत अधिक फर्क नहीं पड़ा है।

अभी 6900 बसें चल रहीं

वर्तमान में दिल्ली में डीटीसी और क्लस्टर को मिलाकर कुल 6900 बसें चल रही हैं। इसमें कुल यात्रियों में महिलाओं की संख्या 40 फीसदी से अधिक है। दिल्ली सरकार ने अक्तूबर 2019 में महिलाओं के लिए बस में मुफ्त सफर की सुविधा शुरू की थी। उस समय बसों में सफर करने वाले महिलाओं की संख्या 33 फीसदी थी। वहीं 2021 में हर महीने बस में सफर करनेवाली महिलाओं की संख्या अब 20 लाख से ज्यादा है। वर्ष 2021 में बसों में सफर करने वाली महिला यात्रियों की संख्या 25 करोड़ से अधिक है।

महिला यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार की ओर से डीटीसी और क्लस्टर बस में महिला मार्शल की तैनाती के लिए 35.27 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करती है। इसमें 13.67 करोड़

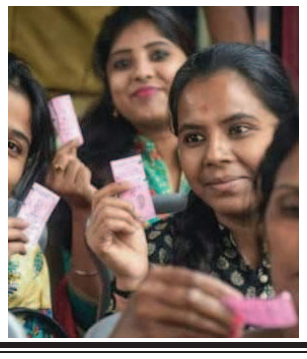

डीटीसी और क्लस्टर बसों में महिला मार्शल पर 21.70 करोड़ रुपये खर्च किया गया है।

रोजगार के भी अवसर

सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में महिला यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार ने अब महिला चालकों की भर्ती के लिए कोशिश तेज कर दी है। यही वजह है कि परिवहन विभाग ने डीटीसी में महिला चालकों की भर्ती के लिए दो बड़ी राहतें दी हैं। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के मुताबिक महिलाओं की सुरक्षा और रोजगार के अवसर देना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए जरूरी है कि महिलाओं को बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मिले। हमने मुफ्त सफर की सुविधा दी, जिससे वह एक जगह से दूसरी जगह जा सकें। अब डीटीसी बसों में महिला चालकों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। इससे उन्हें रोजगार भी मिलेगा।

ई-ऑटो परमिट के लिए आज निकलेगा ड्रॉ

दिल्ली परिवहन विभाग महिला चालकों की भर्ती में छूट के साथ अब इलेक्ट्रिक ऑटो परमिट का ड्रॉ भी सोमवार को निकालने की तैयारी में है। कुल 4216 ई-ऑटो परमिट के लिए आवेदन मंगाए गए थे। इसमें 33 फीसदी यानि 1406 परमिट महिला चालकों के लिए आरक्षित है।

698 महिला चालकों ने ही आवेदन किए

हालांकि, 1406 परमिट के बदले सिर्फ 698 महिला चालकों ने आवेदन किए हैं। इसलिए सभी महिलाओं को परमिट जारी किया जाएगा। बाकी बचे 708 परमिट को दिल्ली मेट्रो को ट्रांसफर किया जाएगा। वह इसे मेट्रो स्टेशन से लास्ट माइल कनेक्टविटी के लिए चला सकेंगे। हालांकि वह इन ऑटो को भी सिर्फ महिला चालकों को ही चलाने के लिए दे सकेंगे। सरकार ड्रॉ के साथ ई-ऑटो परमिट चालकों को 30 हजार रुपये की सब्सिडी भी मिलेगी।

अखिलेश के गुंडों ने गरीबों की जमीन पर कब्जा किया तो योगी ने बुलडोजर घुमा खाली कराया: अमित शाह

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। रैली में अमित शाह ने कहा कि उनके 5 साल के शासन में गरीबों की जमीन पर कब्जा किया गया लेकिन योगी आदित्यनाथ की सरकार ने 2 हजार करोड़ रुपए की जमीन को बुलडोजर घुमाकर खाली करा दिया। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष यहां मऊरानीपुर में भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) की उम्मीदवार के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 5 साल में अखिलेश के गुंडों ने सरकारी और प्रदेश के गरीबों की जमीन पर कब्जा किया लेकिन योगी आदित्यनाथ ने दो हजार करोड़ रुपये की जमीन को बुलडोजर घुमाकर खाली करा दिया। शाह ने लोगों से कहा कि अखिलेश ने अपने परिवार के 45 सदस्यों को पांच साल में अलग-अलग पदों पर बैठाने का काम किया लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 45 योजनाओं को आपके घर में भेजने का कार्य किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 से 2017 तक समाजवादी पार्टी की सरकार में अखिलेश यादव उप्र के मुख्यमंत्री रहे जबकि 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। अमित शाह ने कहा कि हमने तय किया है कि बुंदेलखंड का चहुंमुखी विकास करेंगे, इसके लिए मोदी जी बुंदेलखंड में डिफेंस कॉरिडोर लेकर आए हैं। पहले बुंदेलखंड में लोग छर्रे की गोलियां बनाई जाती थीं लेकिन अब मोदी जी के नेतृत्व में गोले बनाने का काम होगा जो पाकिस्तान के दांत खट्टे कर देगा। उन्होंने कहा कि मोदी और योगी ने बुंदेलखंड के जल संकट को ठीक से समझा और इसके समाधान की पहल की। शाह ने कहा कि उप्र में पांच प्रदर्शनी केंद्र बनने वाले हैं और इनमें से एक बुंदेलखंड में बनेगा तथा कानपुर के अंदर मेगा लेदर पार्क बनेगा जिससे चमड़े के कारोबार से जुड़े लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में दो ढ्रङ्क पार्क बनाने के लिए भी भाजपा की सरकार ने सोचा है। शाह ने कहा कि उप्र में बुआ-भतीजे की सरकारों ने अर्थव्यवस्था खत्म करने का कार्य किया।

संक्षिप्त समाचार

गोवा में रिकॉर्ड 75.29 वोटिंग, लोकतंत्र के उत्सव में राज्य के लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

नेशनल डेस्क । गोवा विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में दो जिलों की 40 सीटों पर सोमवार को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ जोकि शाम 6 बजे तक चला। गोवा में रिकॉर्ड मतदान हुआ है। चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक गोवा में शाम 5 बजे तक 75.29त्न मतदान हुआ। सोमवार को गोवा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। मतदान के मामले में गोवा उत्तराकंड और उत्तर प्रदेश से आगे रहा। लोगों ने लोकतंत्र के इस उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। राज्य के कुल 11.6 लाख मतदाताओं ने 301 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला ईवीएम मशीन में कैद कर दिया है, अब परिणाम 10 मार्च को घोषित होंगे। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत (सांखली), उपमुख्यमंत्री बाबू कावलेकर (क्यूपेम), मनोहर अजगांवकर (मडगांव), मौविन गोडिन्हो (डाबोलिम), विश्वजीत राणे (वालपोई), नीलेश कैबराल (कर्चोरम) और जेनिफर मोनसेरेट का भाग्य दांव पर लगा है। इसके अलावा हाल ही में इस्तीफा देने वाले चार मंत्री भी किस्मत आजमा रहे हैं जिनमें दीपक पौस्कर हैं, जो सावोर्देम निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं प्रोल से गोविंद गौडे (भाजपा), कलंगुट से माइकल लोबो (कांग्रेस) और वेलिम निर्वाचन क्षेत्र से फिलिप नेरी रोड्रिग्स (राकांपा) शामिल हैं। विधानसभा के डिप्टी स्पीकर इसोडोर फर्नांडीस कानाकोना निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री लक्ष्मीकांत पारेस्कर जहां मंड्रेम निर्वाचन क्षेत्र से एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर ने पणजी निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनौती दी है।

25 डिग्री सेल्सियस में जवानों को ट्रेनिंग करते देख गर्व से करेंगे भारतीय सेना को सलाम

नेशनल डेस्क। देश की सुरक्षा के लिए जवान किस तरह ट्रेनिंग को महत्त्व देते हैं इसका नजारा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखने को मिला। दरअसल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवान -25 डिग्री सेल्सियस पर ऊंचाई वाले उत्तराखंड सीमा पर ट्रेनिंग करते हुए दिखाई दिए। ट्विटर पर वायरल हुए वीडियो में आईटीबीपी के जवानों को उत्तराखंड की सीमा पर बेहद ठंडी परिस्थितियों में ट्रेनिंग लेते हुए दिखाया गया है। माइनस 25 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर और बर्फ से ढके पहाड़ों से घिरे के जवानों ने भारी बर्फ में बहादुरी से मार्च किया। कड़ाके की ठंड के बीच भी जवानों को इस तरह ट्रेनिंग लेते देख लोग भी काफी उत्साहक हुए। ट्रेनिंग के दौरान जवान पूरी ऊर्जा और जोश के साथ निर्देश लेते और जोर-जोर से चिल्लाते हुए दिखे जिसने सब का दिल जीत लिया। इस वीडियो की लोग जमकर सरहाना कर रहे हैं और कमेंट भी कर रहे हैं। एस बीच एक यूजर ने लिखा कि सेना को यूट्यूब पर अपना जीता हुआ फिटनेस चैनल शुरू करना चाहिए। एक अन्य यूजर ने लिखा कि भारतीय सेना को सलाम। एक यूजर ने आगे कहा कि हम ऐसी बंदूकें 2 हाथों से भी नहीं पकड़ सकते हैं और ये लेजेंड्स -25 डिग्री सेल्सियस पर एक हाथ से पकड़े हुए हैं! लेजेंड्स एक कारण के लिए!

हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई जारी, अदालत की मीडिया को सलाह-अधिक जिम्मेदार बनें

नेशनल डेस्क। कर्नाटक में हिजाब विवाद को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई जारी है। सुनवाई से पहले अदालत ने मीडिया से अपील की कि ऐसे संवेदनशील विषय पर आपको और जिम्मेदार बनने की जरूरत है। वहीं सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने कर्नाटक हाईकोर्ट में कहा कि हिजाब पर प्रतिबंध को लेकर दिया गया सरकारी आदेश दिमाग का गैर-उपयोग है। एडवोकेट देवदत्त ने कहा कि यह सरकारी आदेश अनुच्छेद 25 के तहत है और यह कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ता कामत ने कहा कि हिजाब की अनुमति है या नहीं, यह तय करने के लिए कॉलेज कमेटी का प्रतिनिधिमंडल पूरी तरह से अवैध है।

राजनाथ सिंह ने दी पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीन साल पहले 14 फरवरी को पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को सोमवार को श्रद्धांजलि दी। सिंह ने ट्वीट किया कि पुलवामा में 2019 में मारे गए सीआरपीएफ के बहादुर जवानों के बलिदान को यह देश कभी नहीं भूलेगा। उनके प्रति मैं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों द्वारा पुलवामा में किए गए हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। इसके जवाब में भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाते हुए एक हवाई हमला किया था। इसके जवाब में भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाते हुए एक हवाई हमला किया था।

महाराष्ट्र पर पीएम की टिप्पणी:

नाना पटोले बोले- जब तक मोदी माफी नहीं मांगते.. जारी रहेगा विरोध-प्रदर्शन

नेशनल डेस्क।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने सोमवार को कहा कि विपक्षी भाजपा की कोशिशों के बावजूद महा विकास अघाड़ी सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। सथ ही पटोले ने कहा कि संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महाराष्ट्र पर की गई टिप्पणी के खिलाफ पार्टी कार्यकर्त्ता अपना विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रखेंगे जब पीएम इस पर माफी नहीं मांगते। पटोले की टिप्पणी, पटोले की टिप्पणी, भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के परिणाम के बाद महाराष्ट्र में 'राजनीतिक भूकंप आने की अटकलों के बाद आई है। पांचों राज्यों के परिणाम 10 मार्च, 2022 को घोषित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा एमवीए सरकार को गिराने के लिए हर दिन सपने देखती है लेकिन पिछले दो सालों से वे अपने इस प्रयास में सफल नहीं हो सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा हर कुछ दिनों में सरकार के पतन की नई तारीख की घोषणा करती है, लेकिन तथ्य यह है कि एमवीए सरकार बरकरार है और अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी।

पीठासीन अधिकारी को मतदान के बीच दिल का दौरा पड़ा

नैनीताल। उत्तराखंड की भीमताल विधानसभा में मतदान के बीच एक पीठासीन अधिकारी को दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ा। निर्वाचन आयोग की ओर से पीड़ित अधिकारी को हेलीकॉप्टर के माध्यम से उपचार के लिए हल्द्वानी भेजा जा रहा है। जानकारी के अनुसार भीमताल विधानसभा के बूथ संख्या 47 में चुनाव के दौरान पीठासीन अधिकारी नवीन चंद्र जोशी की अचानक तबियत बिगड़ गई। तबियत ज्यादा खराब होने पर चुनाव अधिकारी योगेश सिंह की ओर से जिला निर्वाचन अधिकारी डीएस गर्ब्याल को रिपोर्ट दी गई। गर्ब्याल ने बताया कि बीमार अधिकारी के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की जा रही है। उन्हें हेलीकॉप्टर से खनस्यू से हल्द्वानी के गौलापार ले जाया जायेगा और वहां से अस्पताल में भर्ती करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जोशी राजकीय प्राथमिक विद्यालय रीखाकोट मतदान केन्द्र में बतौर पीठासीन अधिकारी तैनात थे। रिटर्निंग अधिकारी योगेश सिंह के अनुसार, यह मतदान बूथ सड़क मार्ग से 4 किमी. पैदल दूरी पर है और इसलिए पीड़ित अधिकारी को डोली से सड़क मार्ग तक लाया जा रहा है। सेक्टर मजिस्ट्रेट की सूचना पर तत्काल आपातकालीन सेवा को मौके के लिए रवाना कर दिया गया है। साथ ही नएपीठासीन अधिकारी को मौके पर तैनात कर मतदान प्रक्रिया सुचारू की गई। पीठासीन अधिकारी को मौके पर तैनात कर मतदान प्रक्रिया सुचारू की गई।

जम्मू कश्मीर मानवाधिकार आयोग भंग होने के बाद मानवाधिकार उल्लंघन का रिकार्ड कमरे में बंद

नयी दिल्ली । अगस्त, 2019 में विभाजित कर जम्मू कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश बनाये जाने से पहले राज्य मानवाधिकार आयोग के पास कथित मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर जो भी रिकार्ड था, वह तब इस पैनल के भंग कर दिये जाने के बाद से एक कमरे में बंद है। आरटीआई आवेदन पर यह जानकारी सामने आयी है। सामाजिक कार्यकर्ता वेकेंटेश नायक ने सूचना के अधिकार कानून के तहत एक आवेदन देकर 31 अक्टूबर, 2019 तक आयोग के सामने लंबित शिकायतों की संख्या जाननी चाही थी। तभी जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 प्रभाव में आया था। इस पुनर्गठन से पिछले जम्मू कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया गया था तथा केंद्रीय कानूनों के प्रभाव में आ जाने से राज्य मानवाधिकार एवं राज्य सूचना आयोग जैसे स्वायत्त निकाय भंग कर दिये गये थे। नायक के आवेदन पर जम्मू कश्मीर प्रशासन ने कहा है उनकी पहली अपील पर जम्मू कश्मीर प्रशसन ने कहा कि पिछले राज्य के दो केंद्रशासित प्रदेशों में बंट जाने के बाद जम्मू कश्मीर मानवाधिकार रक्षा अधिनियम, 1997 (राज्य का कानून) निरस्त कर दिया गया।

देश का अनूठा रेलवे स्टेशन जिसका एक हिस्सा महाराष्ट्र में तो दूसरा गुजरात में

नेशनल डेस्क।

देश में एक ऐसा अनूठा रेलवे स्टेशन है, जो दो राज्यों का एक साथ है। जी हां दरअसल, महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में तालुका मुख्यालय नवापुर रेलवे स्टेशन का एक हिस्सा जहां महाराष्ट्र में है, वहीं दूसरा हिस्सा गुजरात में है। जो आपने आप में एक अनूठा रेलवे स्टेशन है। दरअसल, महाराष्ट्र-गुजरात की सीमा इस स्टेशन से होकर कटती है। इस स्टेशन पर राज्यों द्वारा बंटी एक बेंच भी जो इन दिनों सोशल मीडिया पर आकर्षक का केंद्र बना हुआ है। महाराष्ट्र और गुजरात के बीच की सीमा इस स्टेशन से होकर गुजरती है, जिसमें प्लेटफॉर्म पर यह लकड़ी की बेंच भी शामिल है।

स्टेशन की खासियत

रेलवे स्टेशन की लंबाई 800 मीटर है, गुजरात में 500 मीटर और महाराष्ट्र में बाकी 300 मीटर है। स्टेशन पर अनाउंसमेंट चार भाषाओं, अंग्रेजी, हिंदी, मराठी और गुजराती में की जाती हैं। नवापुर रेलवे स्टेशन पर टिकट काउंटर और पुलिस स्टेशन जहां महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में हैं, वहीं स्टेशन मास्टर का कार्यालय, प्रतीक्षालय और वॉशरूम गुजरात के तापी जिले में हैं। बता दें कि यह स्टेशन सूरत-भुसावल लाइन पर है और गुजरात - महाराष्ट्र के बंटवारे से पहले ही यह स्टेशन बन गया था जिसके बाद भी इस स्टेशन को नहीं बदला गया।

उत्तराखंड की सीईओ ने किया विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

देहरादून।

उत्तराखंड की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सौजन्या ने सोमवार को देहरादून में विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदान एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सौजन्या ने इस दौरान आदर्श मतदान केन्द्रों एवं सखी बूथों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने नेहरू कॉलोनी में मानव भारती पब्लिक स्कूल, शेरवुड पब्लिक स्कूल, सखी बूथ एवं हाथी बड़कला में आदर्श सखी बूथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने मतदान केन्द्रों में मास्क, सेनिटाइजर ,ग्लव्स एवं कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मतदान के प्रति लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की है कि अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि राज्य में मौसम सभी जगह अच्छा है। वहीं राज्य में मतदान प्रक्रिया शंतिपूर्ण चल रही है। ईवीएम से संबधित जो दिक्कतें आ रही हैं, उनका शीघ्र समाधान किया जा रहा है। राज्य में मॉक पॉल एवं मतदान की प्रक्रिया समय पर शुरू हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि राज्य में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से निरंतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी झरना कामठन भी मौजूद थी।

नरोली चौराहे पर ट्राफिक नियमन जरूरी : गुलाब रोहित

जेब्रा क्रॉसिंग या स्पीडब्रेकर परम आवश्यक, एसपी और एक्जीक्युटिव इंजीनियर से अनुरोध

सूरत भूमि, दमण। भाजपा उपाध्यक्ष गुलाब रोहित ने नरोली चौराहे पर ट्राफिक नियमन के लिए पुलिस प्रशासन से अनुरोध किया है। एससी मोर्चा के सिलवासा जिला भाजपा उपाध्यक्ष गुलाब रोहित ने एसपी और एक्जीक्युटिव इंजीनियर, पीडब्ल्यूडी को लिखे पत्र में बताया कि नरोली चौराहे पर तेज रफ्तार कंटेनरों, ट्रकों, टैंकरों, कारों से हादसे होते रहते हैं। नरोली चौराहे के सिलवासा-भिलाड़ मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार आवाजाही से नरोली गाँव और बोरीगाँव रोड से नरोली चौराहे पर आने वाले वाहन चालकों और पदयात्रियों को बड़ी परेशानी होती है। जरा-सी चूक से वाहन चालकों और पदयात्रियों की जान भी जा सकती है। 30 जनवरी को ऐसे ही एक हादसे में एक निर्दोष आटो ड्राइवर की मौत हो चुकी है। ऐसे हादसों को रोकने के लिए नरोली चौराहे पर जेब्रा क्रॉसिंग या स्पीडब्रेकर बनाया जाना चाहिए।

पुलवामा हमले

पुलवामा हमले पर कांग्रेस का सवाल- सरकार ने अभी तक नहीं दिए जवाब

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने साल 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले पर आतंकवादी हमले की बरसी पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए सोमवार को कहा कि इस हमले से जुड़े कई सवालों के जवाब सरकार ने नहीं दिए, लेकिन आज के समय में महत्वपूर्ण सवाल युवाओं के रोजगार का है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यह भी कहा कि हम (पुलवामा मामले में) जवाब लेकर रहेंगे। उन्होंने ट्वीट किया कि पुलवामा के शहीदों को हम कभी भुला नहीं सकते। उनका व उनके परिवारों का बलिदान बेकार नहीं जाएगा- हम जवाब लेके रहेंगे जय हिंद! कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर कहा कि पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को नमन। देश हमेशा शहीदों एवं उनके परिवारों के बलिदान का ऋणी रहेगा....जय हिंद। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि भारत मां के कई वीर सपूत शहीद हुए, हम उनको नमन करते हैं। लेकिन महत्वपूर्ण सवाल यह है कि 45 साल की सबसे अधिक बेरोजगारी आज क्यों है75 साल की सबसे बड़ी बैंकिंग जालसाजी आज क्यों हैं, ,75 साल की सबसे बड़ी बैंकिंग जालसाजी आज क्यों हैं, नौकरी क्यों नहीं मिल रही है? उन्होंने यह भी कहा कि कई सवाल उसमें (पुलवामा) हैं, कई सवालों का जवाब सरकार ने नहीं दिया है। लेकिन असल मुद्दा रोजगार का है। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी हमले में छत्तीसगढ़ के 40 जवान शहीद हो गए थे। इसके जवाब में भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाते हुए एक हवाई हमला किया था। इसके जवाब में भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाते हुए एक हवाई हमला किया था।

कोविड के प्रभावी प्रबंधन के कारण कर्नाटक में कम लोगों की हुई मौत: राज्यपाल

नेशनल डेस्क। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान राज्य में बेहतर प्रबंधन के चलते, विश्व के अन्य हिस्सों की तुलना में कम लोगों की मौत हुई । सोमवार से शुरू हुए कर्नाटक विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा, ''कर्नाटक को प्रौद्योगिकी के उपयोग के जरिए कोविड-19 के प्रभावी प्रबंधन के लिए ई-शासन पुरस्कार मिला है। राज्य ने 5टी पर अमल किया जो क्रमशः 'टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रैकिंग, ट्रीटमेंट और टेक्नोलॉजी हैं। राज्य में टीकाकरण अभियान 6,000 केंद्रों पर चलाया गया है और कोविड टीके की 9.33 करोड़ खुराक पात्र आबादी को दी गई। गहलोत ने कहा, ''राज्य ने पात्र आबादी में शत प्रतिशत को पहली खुराक और 85 प्रतिशत को दोनों खुराक दे दी है। राज्य ने करीब छह करोड़ नमूनों की कोविड जांच की है। राज्यपाल ने कहा कि ऑक्सीजन उत्पादन बढ़ा कर राज्य महामारी की तीसरी लहर से निपटने में सफल रहा है और सरकार 840 करोड़ रुपये के अनुदान का प्रभावी तरीके से उपयोग कर रही है। पिछले साल कर्नाटक के कुछ हिस्सों को प्रभावित करने वाली बाढ़ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 1,38,504 बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 496 राहत केंद्र खोले थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने बाढ़ प्रभावित हर परिवार को 10,000 रुपये की तत्काल राहत राशि भी दी। राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने 85,862 परिवारों को कुल 85.86 करोड़ रुपये दिये। उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय आपदा राहत कोष से प्रत्यक्ष नकद अंतरण के जरिए 18 लाख किसान परिवारों को कुल 1,253 करोड़ रुपये दिये। गहलोत ने कहा कि कर्नाटक नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला राज्य है। उन्होंने राज्य में चल रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र किया।

एशियाई विकास बैंक ने इमरान सरकार को फिर दिखाया आईना, पाकिस्तान की खोली पोल

इस्लामाबाद।

एशियाई विकास बैंक ने एक बार फिर इमरान खान की सरकार को आईना दिखाया है। एशियाई विकास बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान सबसे कम उदार अर्थव्यवस्थाओं में एक है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में व्यापार का योगदान महज 30 प्रतिशत है, जो सबसे कम व्यापार-जीडीपी अनुपात में से एक है।, ध्क्क ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पाकिस्तान अपेक्षाकृत बड़ा देश है, लेकिन उसका व्यापार उल्लेखनीय रूप से कम उदार है। पाकिस्तान का व्यापार सिर्फ इथोपिया, ब्राजील व सूडान से अधिक उदार है। के मुताबिक पाकिस्तान ऐतिहासिक रूप से विषम विकास के दौर से गुजर रहा है और दुनिया के सबसे कम उदार अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। डान की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के दौर में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था एवं व्यापार शीर्षक रिपोर्ट में एडीबी ने कहा है कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारत व बांग्लादेश से काफी कम उदार है। इसके अलावा भारत की जीडीपी पाकिस्तान से 10 गुना बड़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान का व्यापार मुख्य रूप से अमेरिका, यूरोप व चीन पर केंद्रित है और उसका दक्षिण एशिया के पड़ोसियों के साथ कोई व्यापारिक संबंध नहीं है। वह ऐसी अर्थव्यवस्था है, जिसका सबसे बड़ा बाजार उसका उत्तरी पड़ोसी अफगानिस्तान है। केवल कुछ ही क्षेत्रों और उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री शौकत तरीन ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष व अन्य देशों से कर्ज की याचना करने से बचने और देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने पर बल दिया। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, कराची में चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक कार्यक्रम में तरीन ने कहा कि पाकिस्तान 20 करोड़ लोगों का देश है। अर्थव्यवस्था को बेहतर करने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

चीन, भारत को सीमा समझौतों का अनुपालन करना चाहिए : चीनी विदेश मंत्रालय

बीजिंग।

चीनी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि चीन और भारत को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति एवं स्थिरता बरकरार रखने पर हुए सीमा समझौतों का अनुपालन करना चाहिए। दरअसल, कुछ दिन पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लिखित समझौतों का चीन द्वारा सम्मान नहीं किये जाने के चलते एलएसी पर मौजूद स्थिति के लिए बीजिंग को जिम्मेदार ठहराया था, जिसके बाद चीन ने यह प्रतिक्रिया व्यक्त की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने जयशंकर के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''सीमा मुद्दे पर, चीन ने हमेशा ही कहा है कि हमे उन संधियों और समझौतों का अनुपालन करना चाहिए, जिन पर हमने हस्ताक्षर किये हैं तथा हमें सीमावर्ती क्षेत्र में संयुक्त रूप से शांति एवं स्थिरता कायम रखनी चाहिए।''वांग ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि लंबित मुद्दों को हल करने के लिए दोनों पक्ष सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों से संवाद जारी रखेंगे।'' जयशंकर ने अपनी आस्ट्रेलियाई समकक्ष मारिस पायने के साथ शनिवार को मेलबर्न में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जब एक बड़ा देश लिखित वादों का सम्मान नहीं करता है तो यह समूचे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता का एक वैध कारण बन जाता है। उन्होंने पूर्वी लद्दाख सीमा पर भारतीय और चीनी सेना के बीच गतिरोध पर एक सवाल के जवाब में यह बात कही थी। वांग ने कहा, ''अब दोनों पक्ष सीमा प्रबंधन बेहतर करने पर और विश्वास बहाली के उपायों पर संवाद कर रहे हैं,हमे उम्मीद है कि भारतीय पक्ष हमारे बीच हुए समझौतों का अनुपालन करेगा और गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी नहीं करेगा तथा ठोस कार्यों के जरिए सीमा क्षेत्र में हमे उम्मीद है कि भारतीय पक्ष हमारे बीच हुए समझौतों का अनुपालन करेगा और गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी नहीं करेगा तथा ठोस कार्यों के जरिए सीमा क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता कायम रखेगा।''

पश्चिम ईरान स्थित सैन्य अड्डे में आग लगी, कोई हताहत नहीं

दुबई।

पश्चिमी ईरान स्थित एक सैन्य अड्डे में आग लग गई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ है। यह जानकारी राज्य से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट में सोमवार को दी गई। हाल के महीनों में ईरान स्थित आधारभूत ढांचों में आग लगने की शृंखला में यह नवीनतम घटना है। सैन्य अड्डे पर इंजन तेल और अन्य ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण गृह में आग लगी। पश्चिमी प्रांत केरमानशाह स्थित यह अड्डा ईरान के ताकतवर अर्द्धसैनिक बल रिवाल्यूशनरी गार्ड से संबंधित है। यह जानकारी ईरानी वेबसाइट नाउरन्यूज पर दी गई, जिसे ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का नजदीकी माना जाता है। इस घटना से एक शेड को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने के कारणों और अन्य जनकारी के लिए घटना की जांच की जा रही है। एक दिन पहले उत्तरी केरमानशाह में कई धमाके सुने जाने से जुड़ी अपुष्ट खबरें ऑनलाइन माध्यम से प्रसारित की गई थीं। ईरान के लिए केरमानशाह एक रणनीतिक जगह है जहां विभिन्न मिसाइल और सैन्य अड्डे हैं। ईरान के संवेदनशील सैन्य और परामणु ठिकाने बीते सालों के दौरान हमलवारों के निशाने पर रहे हैं, जिसके लिए ईरान इजरायल को दोषी ठहराता रहा है।

पीएम इमरान के सितारे गर्दिश में, तीसरी बीवी बुशरा ने भी छोड़ा घर

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के सितारे गर्दिश में चल रहे हैं । राजनीतिक करियर में उथल-पुथल के बीच उनकी निजी जिंदगी में भी भूचाल आया हुआ है। देश की सियासत में उलझे इमरान खान और उनकी तीसरी बीबी के बीच विवादों को लेकर अफवाहों का दौर गर्म है।। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इमरान खान और उनकी तीसरी पत्नी बुशरा बीबी मानेका के बीच झगड़ा हो गया है। मामला इतना गंभीर हो गया है कि बुशरा बीबी इस्लामाबाद में बने इमरान खान के घर बनी गाला को छोड़कर लाहौर चली गईं हैं। जहां, वो अपनी दोस्त सानिया शाह के सथ रही हैं। दूसरी ओर से पत्नी को घर छोड़कर जाने के बाद इमरान खान ने अपने घर का सारा स्टाफ बदल दिया है। इमरान खान ने घर के माली, कुक और ड्राइवर को भी बदल दिया है। बता दें कि इमरान खान की पहली शादी जेमिमा गोल्डस्मिथ से हुई थी। दोनों ने 1995 में शादी रचाई थी। इसके बाद 2004 में दोनों का तलाक हो गया। जेमिमा से तलाक के बाद करीब 11 साल बाद इमरान खान ने रेहम खान के साथ दूसरी शादी की। तब रेहम खान खान बीबीसी टीवी की पूर्व एंकर रही रेहम खान के साथ भी ज्यादा दिन तक रिश्ता चल नहीं पाया। मात्र 8 महीने में ही दोनों के बीच तलाक हो गया। इसके बाद इमरान खान के साथ बुशरा मानेका का नाम जोड़ा गया। हालांकि, शुरू में इमरान खान मानेक से अफेयर की बात नकारते रहे, लेकिन साल 2018 में उन्होंने यह स्वीकार किया कि उन्होंने बुशरा से निकाह कर लिया है। करीब 44 साल की मानेक साल की बुशरा इमरान खान 25 साल छोटी हैं। इमरान खान की तीसरी पत्नी के घर को छोड़कर जाने की खबरों का पाकिस्तान के कई वरिष्ठ पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर पुष्टि भी की है।

संक्षिप्त समाचार

जयशंकर ने फिलीपीन के विदेश मंत्री से व्यापक मुद्दों पर की चर्चा

मनीला। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिलीपीन की पहली यात्रा पर दक्षिणपूर्वी एशियाई देश के अपने समकक्ष टियोडोरो एल लोक्सिन के साथ सोमवार को व्यापक चर्चा की। फिलीपीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को ट्वीट किया, ''मंत्री लोक्सिन और मंत्री जयशंकर के फिलीपीन और भारत के बीच मौजूदा मजबूत संबंधों के साथ ही द्विपक्षीय रिश्तों के भविष्य की दिशा पर चर्चा करने की संभावना हें उसने बताया कि दोनों अधिकारी स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ ही परस्पर हित के अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इससे पहले लोक्सिन ने वार्ता के लिए जयशंकर के यहां पहुंचने पर उनका स्वागत किया। इस यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय ने कहा था कि दोनों मंत्री नवंबर 2020 में द्विपक्षीय सहयोग पर संयुक्त आयोग की बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में घटनाक्रम की समीक्षा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि परस्पर हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। मंत्रालय ने कहा, ''इस यात्रा से हिंद-प्रशांत में हमारे अहम साझेदारों ऑस्ट्रेलिया तथा फिलीपीन के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को और गति मिलने की उम्मीद है। जयशंकर ऑस्ट्रेलिया से यहां पहुंचे हैं। ऑस्ट्रेलिया में वह क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए और उन्होंने क्वाड देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया व जापान ने ताइवान जलडमरूमध्य शांति के महत्व पर दिया जोर

होनोलूलू। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने साल के प्रारंभ से ही मिसाइलों का परीक्षण शुरू कर चुके परमाणु शक्ति संपन्न उत्तर कोरिया से उत्पन्न खतरों व ताइवान के हालोत पर चर्चा करने के लिए हवाई में शनिवार को जापान एवं दक्षिण कोरिया के अपने समकक्षों के साथ बैठक की। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी जे ब्लिंकन ने जापानी विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा और दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री चुंग यूई-योंग से ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। ब्लिंकन, योशिमासा और यूई-योंग ने त्रिपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण महत्व की पुष्टि की और कहा कि हम 21 वीं सदी की सबसे अधिक दबाव वाली चुनौतियों का समाधान करना चाहते हैं। ब्लिंकन और विदेश मंत्रियों ने जोर दिया कि उनके तीन देश एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के बारे में एक साझा दृष्टिकोण रखते हैं, जो समावेशी है, और नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए साझा सम्मान है ।विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका की नई जारी इंडो-पैसिफिक रणनीति का स्वागत किया। इस बीच, हालांकि तीनों देशों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि उनका उत्तर कोरिया के प्रति कोई शत्रुतापूर्ण भाव नहीं है और वे बिना किसी पूर्व शर्त के उसके साथ बैठक के लिए तैयार है। ब्लिंकन ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उत्तर कोरिया' भड़काने में लगा है तथा तीनों ही देशों ने हाल के उसके मिसाइल परीक्षणों की निंदा की। जापान के अपने समकक्ष योशीमारसा हयाशी और दक्षिण कोरिया के अपने समकक्ष चुंग इयू-यंग के साथ भेंटवार्ता के बाद उन्होंने कहा, '' हम अपनी पहल और अपने संकल्प में बिल्कुल एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि तीनों ही देश उत्तर कोरिया के संदर्भ में अगले कदमों को लेकर 'एक-दूसरे से घनिष्ठ संवाद में जुटे हैं लेकिन उन्होंने उसके बारे में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा।

अफगानिस्तान में शिक्षा-व्यवस्था चौपट, 20 वर्षों से कोई हाई स्कूल नहीं हुआ स्नातक

इंटरनेशनल डेस्क। अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं। पहले से ही चौपट अफगानिस्तान की शिक्षा-व्यवस्था अब और बदहाल हो गई है। शिक्षा विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार यहां पिछले 20 वर्षों में कोई हाई स्कूल स्नातक नहीं हुआ है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षा विभाग की जानकारी में यह सामने आया है कि दक्षिणपूर्वी प्रांत पक्तिका के पांच जिलों वोरोमबाई, तरवी, दिला खोशामंद, नाका और बरमल में पिछले 20 वर्षों में हाई स्कूल में कोई भी स्नातक नहीं हुआ है। पक्तिका में प्रांतीय शिक्षा कार्यालय ने रविवार को घोषणा की कि इस क्षेत्र ने पिछले 20 वर्षों में कोई हाई स्कूल स्नातक नहीं बनाया है। शिक्षा विभाग के अनुसार, पक्तिका के दक्षिणपूर्वी प्रांत के पांच जिलों वोरोमबाई, तरवी, दिला खोशामंद, नाका और बरमल में, पिछले 20 वर्षों में हाई स्कूल स्नातक नहीं हुआ है, एक मीडिया सूत्रों के अनुसार। सुरक्षा संबंधी दिक्कतों के कारण स्कूल व्यवस्था सुचारू रूप से काम नहीं कर रही थी। पक्तिका शिक्षा विभाग के प्रमुख ने कहा, अभी, हमारा ध्यान उन जगहों पर है, जिनके पास इस अधिकार (शिक्षा) तक 100त्न पहुंच नहीं है, और हम उन्हें उनके अधिकारों के साथ उचित तरीके से देने का प्रयास करते हैं। आदिवासी बुजुर्गों के अनुसार, उच्च विद्यालयों की कमी और कमजोर शिक्षा प्रणाली के कारण हजारों युवा शिक्षा से वंचित हैं। एक मीडिया के अनुसार, इन जिलों के विद्यार्थियों के अनुसार, मजबूत आर्थिक स्थिति वाले परिवार अपने बच्चों को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए ।

इंडोनेशिया में चेतावनी के बावजूद समुद्र तट पर गए 11 लोग तेज लहरों में बहे

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत में चेतावनी के बावजूद 11 लोग समुद्र तट पर गए जहां शक्तिशाली लहरें उन्हें बहा ले गईं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। तलाश और बचाव कार्य एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात को कई गांवों के 24 लोगों का समूह स्थानीय कर्मकांड में भाग लेने समुद्र तट पर पहुंचा। अनुष्ठान के तहत इन लोगों को समुद्र में तैरना भी था। अधिकारयों ने बताया कि जेम्बर जिले में पयांगन तट पर बचाए गए 13 लोगों में दो साल की एक बच्ची भी है। इन लोगों का उपचार किया जा रहा है। बचाव दल के प्रमुख आई वायन सुयंता ने कहा कि स्थानीय नागरिकों को समुद्र में तेज लहरें आने की चेतावनी देते हुए उन्हें समुद्र किनारे जाने से मना किया गया था। उन्होंने बताया कि अचानक आई लहर अपने साथ 23 लोगों को बहा ले गई।इंडोनेशिया की मौसम एजेंसी ने पूर्वी जावा प्रांत सहित कई क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम और तेज लहरें उठने का अनुमान जताया है। इंडोनेशिया की मौसम एजेंसी ने पूर्वी जावा प्रांत सहित कई क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम और तेज लहरें उठने का अनुमान जताया है। इंडोनेशिया की मौसम एजेंसी ने पूर्वी जावा प्रांत सहित कई क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम और तेज लहरें उठने का अनुमान जताया है।

चीन का नया पैंतरा, निर्वासित तिब्बतियों पर नजर रखने के लिए उनके फोन पर किया कब्जा

बीजिंग।

चीन के उइगरों और तिब्बतियों पर अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे हैं। चीन ने अब निर्वासन में रह रहे तिब्बती लोगों पर नजर रखने के लिए नया पैंतरा अपनाया है। इसके लिए चीन तिब्बत में रह रहे लोगों के फोन पर कब्जा कर रहा है। चीन का मानना है कि जो लोग तिब्बत में रह रहे हैं वे उन लोगों के संपर्क में हैं जो निर्वासन में हैं। निर्वासन में रह रहे लोगों के संपर्कों वाले द्रगयाब काउंटी और चामडो में तिब्बतियों को कथित तौर पर उनके सेलफोन पर स्पाइवेयर स्थापित करने का आदेश दिया गया है ताकि उन पर कड़ी नजर रखी जा सके। जासूस स्पाइवेयर चीनी अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक नई निगरानी रणनीति है। धर्मशाला स्थित शोध समूह तिब्बत वॉच के अनुसार, तिब्बत में स्थानीय सूत्रों ने सेल फोन स्पाइवेयर के इस्तेमाल की पुष्टि की है जो निर्वासन में संपर्क करने वाले तिब्बतियों की सक्रिय रूप से निगरानी करता है। तिब्बत वॉच के एक शोधकर्ता पेमा ग्याल ने न्यूज पोर्टल फायुल को बताया, चीन ने संबंधित व्यक्तियों के फोन में सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल को आक्रामक रूप से लागू किया है। तिब्बत में स्थानीय सूत्रों ने बताया कि अपने फोन पर वे जो भी कुछ करते हैं उस पर अधिकारी नजर रख रहे हैं। स्थिति इन क्षेत्रों में अत्यधिक संवेदनशील हो गई है। 2017 से 2021 तक, अब जो हुआ है वह यह है कि परिवारों को भी अपने प्रियजनों से संपर्क करना मुश्किल हो रहा है। अब सरकार को किसी पर भी संदेह है, जिसका बाहर कोई संपर्क है। उन्होंने कहा, ऐसे भी उदाहरण सामने आए हैं जहां चीनी अधिकारी मठों में भिक्षुओं को चेतावनी देने के लिए पहुंचे थे कि अगर उनके पास ऐसी जानकारी है जो उन्हें खतरे में डाल सकती है, उसे बता दें। शोधकर्ता ने इस बात पर भी जोर डाला कि इस तरह के शासन के तहत तिब्बतियों को डर का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट से पता चलता है ।

चीन में टीवी कलाकारों की मनमानी व सेलिब्रिटी कल्चर पर कसी लगाम, एक्टिंग के लिए निर्धारित की फीस

बीजिंग।

चीन ने अब टीवी कलाकारों की मनमानी और सेलिब्रिटी कल्चर पर लगाम कसनी शुरू कर दी है। दरअसल हाल ही में एक टीवी एक्ट्रेस ने अभिनय के लिए 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तगड़ी रकम मांगी थी। इसके बाद चीन की सरकार ने ठोस कदम उठाते हुए सख्त नियम लागू किए हैं। इसके बाद अब कोई भी टीवी एक्टर जरूरत से ज्यादा फीस नहीं ले सकेगा। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार इससे पहले चीन ने नेशनल रेडियो एंड टेलीविजन एडमिनिस्ट्रेशन ने टीवी प्रॉडक्शन के लिए अगले 5 सालों का ब्लू प्रिंट रिलीज किया था जिसमें कलाकारों द्वारा ली जाने वाली रकम की अधिकतम सीमा को तय किया गया था। इसके अनुसार किसी भी एक्टर द्वारा कुल प्रॉडक्शन लागत का अधिकतम 40 प्रतिशत राशि ही अभिनय के तौर लिए जाने का प्रस्ताव रखा था। इस प्लान में यह भी बताया गया कि मुख्य कलाकार के लिए रकम की यह सीमा कुल प्रॉडक्शन कास्ट से 70 फीसदी से अधिक नहीं होगी। हालांकि इस नियम को सबसे पहले 2017 में लाया गया था लेकिन इसका पालन नहीं किया गया। चीन में सेलिब्रिटी कल्चर पर नकेल कसने की आवश्यकता उस वक्त पड़ी जब पिछले साल अप्रैल में यह बात सामने आई कि मशहूर चीनी अभिनेत्री, झेंग शुआंग को एक टीवी शो में सिर्फ 77 दिनों तक अभिनय करने के लिए 160 मिलियन युआन (यूएस . 25.1 मिलियन) मिले। इस खुलासे के बाद जनता भड़क उठी और फिर अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए। लोकल न्यूज रिपोर्ट के अनुसार इस मामले की जांच के दौरान यह पाया गया कि टीवी प्रॉडक्शन टीम ने नियमों की अनदेखी की। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि टीवी शो का कुल बजट कितना था। वहीं, 2019 और 2020 के बीच टैक्स चोरी को लेकर बीजिंग के अधिकारियों ने शुआंग पर 45 मिलियन अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया। इसके अलावा टीवी प्रॉड्यूसर को आदेश दिया गया कि वे अब उसे अन्य शो में न रखें।चीन में ळ्रङ्क कलाकारों की मनमानी व सेलिब्रिटी कल्चर पर कसी लगाम, एक्टिंग के लिए निर्धारित की फीस बीजिंगः चीन ने अब टीवी कलाकारों की मनमानी और सेलिब्रिटी कल्चर पर लगाम कसनी शुरू कर दी है। दरअसल हाल ही में एक टीवी एक्ट्रेस ने अभिनय के लिए 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तगड़ी रकम मांगी थी। इसके बाद चीन की सरकार ने ठोस कदम उठाते हुए सख्त नियम लागू किए हैं। इसके बाद अब कोई भी टीवी एक्टर जरूरत से ज्यादा फीस नहीं ले सकेगा।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार इससे पहले चीन ने नेशनल रेडियो एंड टेलीविजन एडमिनिस्ट्रेशन ने टीवी प्रॉडक्शन के लिए अगले 5 सालों का ब्लू प्रिंट रिलीज किया था जिसमें कलाकारों द्वारा ली जाने वाली रकम की अधिकतम सीमा को तय किया गया था। इसके अनुसार किसी भी एक्टर द्वारा कुल प्रॉडक्शन इस प्लान में यह भी बताया गया कि मुख्य कलाकार के लिए रकम की यह सीमा कुल प्रॉडक्शन कास्ट से 70 फीसदी से अधिक नहीं होगी।

पाकिस्तानः इमरान सरकार में टूटे महंगाई के रिकार्ड, पहली बार 150 के पार होंगे पेट्रोल का दाम

पेशावर। वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में पहली बार पेट्रोल की कीमत 150 रुपए प्रति लीटर को पार हो सकती है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1 फरवरी से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः 6 रुपए और 5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। उसने यह भी कहा कि अगर सरकार अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की बढ़ती कीमतों का बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला करती है, तो 16 फरवरी से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 13 रुपये और 18 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, वर्तमान में पाकिस्तान में पेट्रोल 147.83 रुपए प्रति लीटर, हाई-स्पीड डीजल 144.62 रुपये और हल्का डीजल तेल 114.54 रुपये प्रति लीटर पर बेचा जा रहा है। इससे पहले पाकिस्तानी वित्त मंत्री शौकत तारिन ने पेट्रोलियम की कीमतों में उछाल का संकेत देते हुए कहा कि पाकिस्तान में इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार ईंधन की दरों को कृत्रिम रूप से कम नहीं रख सकती है। द न्यूज इंटरनेशनल के मुताबिक, अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में बढ़ोतरी देखी जाती है, तो सरकार को लोगों पर बोझ डालना होगा। तारिन ने फरवरी के पहले 15 दिनों के लिए अपरिवर्तित पेट्रोलियम कीमतों को बनाए रखने के सरकार के फैसले का समर्थन करने में झिझकते हुए कहा कि हालांकि यह निर्णय लोकप्रिय है, लेकिन यह लंबी अवधि तक चलने वाला नहीं है। अगले वित्तीय वर्ष के बजट पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि यह सरकार के लिए एक चुनौती है।

पाकिस्तान में ऑनर किलिंग के मामले बढ़े, बलूचिस्तान में एक दिन में 5 हत्याएं

इंटरनेशनल डेस्क।

पाकिस्तान में ऑनर किलिंग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। शनिवार को बलूचिस्तान प्रांत में 'इज्जत' के लिए पांच लोगों की हत्या कर दी गई। डॉन ने पुलिस के हवाले से बताया कि पिछले एक दिन में जाफराबाद, मस्तुंग और हब इलाकों में सम्मान के नाम पर तीन महिलाओं और दो पुरुषों की हत्या कर दी गई। जाफराबाद जिले के गोठ फकीर मोहम्मद इलाके में शुक्रवार की शाम एक शख्स ने अपनी युवा पत्नी भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी। मस्तुंग शहर के बाहरी इलाके में एक व्यक्ति और उसकी पत्नी की हत्या कर दी गई। वहीं हब इलाके में शनिवार को एक महिला माह जान की उसके दूसरे पति ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। यह पाकिस्तान में ऑनर किलिंग के मामलों में हालिया वृद्धि है। अधिकारियों के आश्वासन के बावजूद देश के कई इलाकों में इस तरह की हिंसा बढ़ती ही जा रही है। एक गैर-सरकारी संगठन, सिंध सुहाई साथ के अनुसार, ऐसे मामलों के साथ, पाकिस्तान में ऑनर किलिंग की संख्या में खतरनाक वृद्धि देखी जा रही है, क्योंकि पिछले साल 176 लोगों की जान ली गई थी, जिनमें ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं। पिछले हफ्ते, डॉ आयशा हसन धरेजो और एडवोकेट फरजाना खोसो, क्रमशः अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष, ने कहा कि अकेले कंधकोट-काशमोर, जैकोबाबाद, शिकारपुर और घोटकी जिलों में ऐसी घटनाओं में 93 लोग मारे गए थे।संगठन द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, कंधकोट-काशमोर जिले में 27 लोग (23 महिलाएं और चार पुरुष), जैकोबाबाद जिले में 26 लोग (14 महिलाएं और 12 पुरुष), शिकारपुर में 23 लोग (18 महिलाएं और पांच पुरुष) मारे गए। डॉन के अनुसार, 2021 में घोटकी जिले में जिले और 17 लोग (14 महिलाएं और तीन पुरुष) मारे गए। उन्होंने बताया कि 649 ऑनर किलिंग मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई थी, उन्होंने चिंता के साथ नोट किया कि दोष सिद्धि दर लगभग दो प्रतिशत प्रतीत होती है, और कमजोर अभियोजन, पुलिस की ओर से ढिलाई और कानून और न्याय प्रणाली में विसंगतियों के लिए स्थिति को जिम्मेदार ठहराया।

सुविचार अगर हम विफलता से शिक्षा प्राप्त करते है तो वह सफलता ही है - मैल्कम फोर्ब्स

संपादकीय

कोविड के अन्य खतरे

आपदा कैसी भी हो, उसके अंत की एक तारीख होती है। कुछ वैज्ञानिकों ने उस तारीख की घोषणा कर दी है, जब एक महामारी के रूप में कोविड इस दुनिया से विदा हो जाएगा। कोविड वायरस विदा नहीं होगा, लेकिन उसका वह रूप चला जाएगा, जो उसे महामारी बनाता है। फिर वह एक ऐसे मर्ज में बदल जाएगा, जो एक साथ बड़े पैमाने पर लोगों को अपना शिकार नहीं बनाएगा, लेकिन गाहे-बगाहे लोगों को होता रहेगा, ठीक वैसे ही, जैसे सर्दी-जुकाम, वायरल, टायफाइड और निमोनिया वगैरह होते हैं। ऐसा हुआ, तो हमें पूरी राहत भले न मिले, लेकिन आंशिक रूप से जरूर मिल जाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही इसकी ज्यादा कारगर वैक्सीन तैयार हो जाए और लोगों को ज्यादा भरोसेमंद सुरक्षा-चक्र मिले। लेकिन कोविड को लेकर जो अन्य खबरें आ रही हैं, वे कहीं ज्यादा परेशान करने वाली हैं। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक हालिया शोध के अनुसार, जिन बुजुर्गों को कोविड हुआ था, उन्हें ठीक होने के बाद भी ऐसी कई नई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जो पहले कभी नहीं थीं। इस शोध में 65 साल से ऊपर के उन 1,33,366 अमेरिकी लोगों का अध्ययन किया गया है, जिन्हें 1 अप्रैल, 2020 से पहले कोविड संक्रमण हुआ था। शोध में पाया गया कि ऐसी परेशानियां हर तीन में से एक बुजुर्ग में पाई गई हैं। इनमें ऐसे लोग भी हैं, जिन्हें स्थायी तौर पर उच्च-रक्तचाप की बीमारी मिल गई है। ऐसे लोग भी हैं, जिनके दिल, किडनी और गुर्दे के कामकाज पर असर पड़ा है। कई लोगों के हृदय की समस्या संक्रमण के एक साल बाद ज्यादा घातक हो गई है। कुछ लोगों को सांस लेने की समस्या हो रही है। मस्तिष्क पर भी असर पड़ने के मामले मिले हैं। यह पाया गया कि कोविड ठीक होने के एक साल बाद 32 प्रतिशत लोग ऐसी समस्या के लिए या तो डॉक्टर से मिले हैं या फिर अस्पताल में भर्ती हुए हैं। वैसे, जिस समय कोविड संक्रमण फैलना शुरू हुआ था, उसी समय यह साफ हो गया था कि यह वायरस सिर्फ फेफड़े पर असर नहीं डाल रहा। उस दौरान बहुत सारे लोगों की जान दिल, किडनी या गुर्दे वगैरह के फेल हो जाने के कारण भी गई। तब बहुत से लोग इस बहस में उलझे हुए थे कि इस तरह के संबद्ध रोगों से होने वाली मौतों को महामारी से हुई मौत माना जाए या नहीं। इस दौरान जो लोग ठीक होकर अपने-अपने घर वापस चले गए, वे खुद को खुशनसीब समझ रहे थे और उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। निस्संदेह, खुशनसीब तो वे थे, लेकिन उन्हें कोविड महारोग बाद में भी परेशान करता रहेगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। इस महामारी ने कई-कई मोर्चों पर समाज की परीक्षा ली है, लेकिन इसने सबसे ज्यादा परीक्षा चिकित्सा विज्ञान की ली है। लगता है, अभी भी यह परीक्षा खत्म नहीं हुई है। कोरोना महामारी ने समाज और अर्थव्यवस्था को बहुत पीछे धकेला है। इस दौरान सिर्फ चिकित्सा विज्ञान ही है, जो लगातार दम साधकर लगातार आगे बढ़ा है, लेकिन अभी उसे मीलों चलना है। हमें अभी नहीं पता कि कोविड अगर महामारी के बजाय एक आमफहम रोग बन गया, तो हमारे शरीर के अन्य अंगों पर उसका क्या असर होगा? कोरोना वायरस के बारे में अभी बहुत कुछ जानना शेष है।

आज के कार्टुन

मन का नियंत्रण

जग्गी वासुदेव

योग की सारी प्रक्रिया मन की सीमाओं से परे जाने के लिए हैं। जब तक आप मन के नियंत्रण में हैं, तब तक आप पुराने प्रभावों से चलते हैं क्योंकि मन बीते हुए समय की यादों का ढेर है। अगर आप जीवन को सिर्फ मन के माध्यम से देखते हैं तो आप अपने भविष्य को भी भूतकाल की तरह बना लेंगे, न ज्यादा-न कम। क्या यह दुनिया इस बात का पर्याप्त सबूत नहीं है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे पास विज्ञान, तकनीक और दूसरे कई तरह के कितने अवसर आते हैं, पर क्या हम बार-बार उन्हीं ऐतिहासिक भूलों को नहीं दोहराते? अगर आप अपने जीवन को ध्यान से देखें तो पाएंगे कि वही चीजें बार-बार हो रही हैं क्योंकि जब तक आप मन के प्रिज्म के माध्यम से काम कर रहे हैं, तब तक आप उसी पुरानी जानकारी के साथ काम करते रहेंगे। बीता हुआ समय आप के मन में ही रहता है। सिर्फ इसलिए कि आप का मन सक्रिय है, बीता हुआ कल बना रहता है। मान लीजिए, आप का मन इसी पल काम करना बंद कर दे तो क्या बीता हुआ समय यहां रहेगा? वास्तव में यहां कोई भूतकाल नहीं है, सिर्फ वर्तमान ही है। असलियत सिर्फ वर्तमान ही है, मगर हमारे मन के माध्यम से भूतकाल बना रहता है, दूसरे शब्दों में, मन ही कर्म है। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप सारे कार्मिक बंधनों के पार चले जाएंगे। अगर आप कार्मिक बंधनों को एक-एक कर के तोड़ना चाहें तो इसमें शायद लाखों साल लग जाएं और इसे तोड़ने की प्रक्रिया में आप कर्मो का नया भंडार भी बनाते जा रहे हैं। आप के पुराने कार्मिक बंधनों का जत्था कोई समस्या नहीं है। आप को यह सीखना चाहिए कि नया भंडार कैसे तैयार न हो! यही मुख्य बात है। पुराना भंडार अपने आप समाप्त हो जाएगा। पर बुनियादी बात यह है कि आप नये भंडार बनाना बंद करना सीख लें। फिर पुराने भंडार को छोड़ देना बहुत सरल होगा। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जाएंगे। आप को कर्मो को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा क्योंकि जब आप अपने कर्मो के साथ खेल रहे हैं, तो आप ऐसी चीज के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो।

स्मारकः सभ्यता और संस्कृति के पुरातात्विक साक्ष्य

- हृदयनारायण दीक्षित

प्रकृति सदा से है। आनंद सभी प्राणियों की आदिम अभिलाषा है। चार्ल्स डारविन ने 'दि ओरीजिन ऑफ दि स्पेसिस एण्ड दि रिजेन्टमेन्ट' में लिखा 卐प्राणियों को भावोत्तेजन में आनंद आता है卐 भावोत्तेजन के उपकरण प्रकृति में हैं। यहां रूप, रस, गंध, शब्द और स्पर्श का अविनाशी कोष है। भाव का केन्द्र मनुष्य का अंतःकरण है। भारत ने यही सब देखते, सुनते, समझते एक आनंदमगन लोकमंगल अभीप्सु जीवन दृष्टिका विकास किया। इसी का नाम भारतीय संस्कृति है। वैदिक काल और उसके पहले के पूर्वजों ने देखे गए दृश्यों व सुने गए शब्दों को स्मृति में संजोया। उन्हें एक पीढ़ी ने दूसरी पीढ़ी को सुनाया। जानना और सुनाना, सुने गए को याद करना उपिनषदों में 'व्रत' कहा गया। 'श्रुति और स्मृति' के दो महान उपकरणों के कारण भारतीय संस्कृति का प्रवाह अविच्छिन्न है। सो भारतीय संस्कृति में श्रुति और स्मृति की विशेष महत्ता है। श्रुति और वेद पर्यायवाची हैं भी। मस्तिष्क में शब्द और रूप ज्ञान का संरक्षण स्मृति है। इसका पढ़ना, लिखना, बोलना और पुनर्सृजन करना भी संस्कृति है। स्थापत्य आदि भौतिक उपायों से इसे स्मृति योग्य बनाए रखने का नाम 'स्मारक' है। 'स्मारक' सांस्कृतिक स्मृति के पुत्र हैं। स्मारक सत्य, शिव और सुंदर के प्रेरक हैं। मंदिर उपासना आराधना के केन्द्र हैं। वे भी श्रुति स्मृति में रहते हैं। मंदिर भी इसी श्रेणी में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से गुजरात के केवडिया में स्टेचू ऑफ यूनिटी का निर्माण स्मरणीय है। केवडिया में राष्ट्र निर्माता सरदार पटेल की सुन्दर प्रतिमा है। यह प्रतिमा हम सबको राष्ट्रीय एकता का संदेश देती है। मैंने स्वयं उक्त प्रतिमा के दर्शन किये। यह अद्भुत है। पटेल की यह प्रतिमा उनके विचार के अनुरूप राष्ट्र निर्माण का संदेश देती है। प्रधानमंत्री जी ने अभी पिछले सप्ताह महान संत रामानुजाचार्य की 216 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया है। इस विशाल प्रतिमा का नाम स्टेचू ऑफ इक्वलिटी रखा गया है। रामानुजाचार्य (तेलंगाना) संत थे। उन्हीं की स्मृति में यह प्रतिमा बनाई गई है। संत की यह प्रतिमा एकता और मानवता की प्रेरक है। ग्यारहवीं सदी के रामानुजाचार्य महान सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने एकता और मानवता का संदेश आजीवन दिया। वे भारतीय दर्शन के विद्वान व प्रचारक थे। भारतीय दर्शन की एक धारा अद्वैत या वेदांत कहलाती है। वादरायण इसके प्रवर्तक थे। इसी तरह अद्वैत से मिलती-जुलती लेकिन अद्वैत से भिन्न एक दार्शनिक धारा विशिष्टता द्वैत थी। इसके प्रवर्तक रामानुज थे। उनका संदेश मानवीय गरिमा व एकता से जुड़ा था। रामानुजाचार्य अपने विशिष्टता द्वैत दर्शन में ईश्वर को महत्वपूर्ण मानते थे। उनके हजारों शिष्य थे। ईश्वर और संसार, भक्ति और द्वैत तथा भक्ति और अद्वैत जैसे गूढ़ विषयो पर उनकी अनुभूति गहन थी। यह स्मारक सारी दुनिया के लिए प्रेरक होगा। इसे ठीक ही स्टेचू ऑफ इक्वलिटी कहा गया है। भारतीय समाज में विषमता थी। जाति-पांति के विभाजन भी थे। उधर वैदिक काल में उपनिषद् लिखे गए। उपनिषदों ने विषमता पर प्रहार किया। स्वामी दयानंद, विवेकानंद आदि ने सभी पर हमला बोला था। रामानुज ने भक्ति और दर्शन को समता और ममता का साधन बनाया है। समता आज भी एक लक्ष्य है। इस लक्ष्य के लिए हमारे पूर्वज संतों ने लगातार काम किया है। रामानुज भी ईश्वर प्राप्ति के साथ परस्पर समता और प्रीति का संदेश दिया था। अबतक दस शताब्दियां बीत गई हैं। रामानुज 11वीं शताब्दी में सक्रिय थे। उनके नाम पर बना स्टैचू ऑफ इक्वलिटी सारी दुनिया को प्रेरित करेगा और हम भारत के लोगों को रामानुज के व्यक्तित्व, अनुभूति और दर्शन, प्रेम और भक्ति सहित सभी मानवीय गुणों के लिए प्रेरित करता रहेगा। भारत में अन्तरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा वाले स्मारकों को भी बचाए रखने की चुनौती है। सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के अनेक स्मारक लापता हैं। यह बात कुछ पहले संसद में भी चर्चा का विषय थी। हम भारत के लोग संस्कृति को महत्व देते हैं। संस्कृति राष्ट्र जीवन की मुख्यधारा है। संस्कृति राष्ट्रीय अखण्डता और एकता का मुख्य सूत्र है। संस्कृति को श्रुति और स्मृति में बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सजगता की जरूरत है। प्राचीन सांस्कृतिक प्रतीकों का संरक्षण और नए प्रतीकों का सृजन होना चाहिए। रामानुज की प्रतिमा का निर्माण ऐसा ही उल्लासपूर्ण सृजन है। संस्कृति और इतिहास बहुत भिन्न नहीं हैं। इतिहास अतीत का यथातथ्य विवरण होता है। इसमें हर्ष, विषाद और प्रसाद मिले जुले होते हैं। इतिहास इसीलिए मार्गदर्शक होता है। संस्कृति इसी इतिहास का प्रसाद भाग है। इतिहास का 'मधुमय मधुरस' प्रवाह संस्कृति है। यह इतिहास का समग्र अनुकरणीय हिस्सा है। हम भारतवासी वास्तविक इतिहास बोध से दूर हैं। पुरातत्व में ढेर सारी सामग्री है। इस सामग्री का विवेचन और विश्लेषण भी यूरोपीय दृष्टि से किया जाता रहा है। हड़प्पा खोदाई से आर्य आक्रमण के भ्रामक नतीजे निकाले गए थे। ऋग्वेद की सभ्यता को हड़प्पा से भिन्न और परवर्ती बताया गया। भारत के प्राचीन अभिजन पूर्वज आर्य विदेशी आक्रमणकारी कहे गए। हड़प्पा सभ्यता प्राचीन सिद्ध की गई। ऋग्वैदिककालीन सभ्यता को अविकसित पिछड़ी सभ्यता भी कहा गया। भाषा विज्ञानी क्रूरता भी अपनाई गई। संस्कृत को कल्पित भारोपीय भाषा का विस्तार बताया गया। भारोपीय भाषा का आज तक पता नहीं। बोलने वालों का भी नहीं। स्मारक, सभ्यता और संस्कृति के पुरातात्विक साक्ष्य हैं। भारत सांस्कृतिक संपदा में अग्रणी राष्ट्र है। यहां विश्व धरोहरों की सूची में अब 35 स्थल हैं। इटली यूरोपीय पुनर्जागरण का केन्द्र था। इटली में 51 स्थल हैं। भारत ने 46 और स्थलों को विश्व सूची में सम्मिलित कराने का आग्रह किया है। कुम्भ को हाल में ही यूनेस्को ने विश्व विरासत सूची में सम्मिलित किया है। भारत का स्थापत्य भी अति प्राचीन है। ऋग्वेद में वरूण के घर को 100 खम्भों वाला बताया गया है। इन्हें घटाकर भी सोचें तो वैदिक काल में खम्भों वाले घर मानने ही पड़ेंगे। यहां लाखों मंदिर, किले और सुंदर भवन, सभागार थे। महाभारत व रामायण में बड़े सभागारों व भवनों के उल्लेख हैं। पाटलिपुत्र, काशी, मथुरा, उज्जयिनी संसार के प्राचीन नगर थे और अयोध्या भी। मध्यकाल में यहां विदेशी हमलावरों ने लाखों मंदिर ध्वस्त किए। संप्रति एएसआई के जिम्मे 3686 स्मारकों की जिम्मेदारी है। अनियोजित नगरीकरण व विकास ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व के स्मारकों को लील रहा है। भारत को इन्हें हर हाल में बचाना चाहिए। सांस्कृतिक महत्व के अन्य स्मृति स्थलों की खोजबीन भी जारी रहनी चाहिए और उनके स्मारक निर्मित किए जाने चाहिए।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं।)

सहजता-सरलता की नादानी भी हितकारी

सीताराम गुप्ता

सफलता का मूल मंत्र है हर कार्य को भली-भांति सोच-समझकर करना और हर प्रश्न का उत्तर भी अच्छी तरह से सोच-विचार करने के उपरांत ही देना। कहा गया है कि बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताय। बिल्कुल ठीक कहा गया है। गोस्वामी तुलसीदास भी मानस के अयोध्या कांड में एक स्थान पर लिखते हैं कि कोई भी काम हो यदि उचित-अनुचित का विचार करके किया जाए तो सब कोई उसे अच्छा कहते हैं। वेदों में भी यही कहा गया है। क्या हम सचमुच सोच-समझकर ही हर कार्य करते हैं? हमारा प्रयास तो यही रहता है कि जल्दबाजी में कोई ऐसा कार्य न हो जाए, जिससे लाभ के स्थान पर हानि हो जाए। या कोई ऐसी बात मुंह से न निकल जाए, जिससे हमारी प्रतिष्ठा अथवा हमारे व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। लेकिन क्या हम उसके औचित्य-अनौचित्य पर भी विचार करते हैं? वास्तव में हम किसी भी चीज का व्यावहारिक पक्ष देखते हैं। व्यावहारिकता बुरी बात नहीं लेकिन जब हम जरूरत से ज्यादा व्यावहारिक हो जाते हैं तो हमारी सोच का नैतिक पक्ष उतना ही कमजोर हो जाता है। व्यावहारिक होने के साथ-साथ यह भी अनिवार्य है कि हम उदात्त व सकारात्मक जीवन मूल्यों के पक्षधर भी हों। यदि किसी व्यक्ति से संबंध बनाए रखने से हमें किसी भी तरह का लाभ होता है तो हम प्रायः उस व्यक्ति की गलत बातों का भी विरोध नहीं करते। ये व्यावहारिक होते हुए भी उचित नहीं कहा जा सकता। गलत का विरोध न करना अथवा अपने हित के लिए गलत का समर्थन करना दोनों स्थितियां ही मनुष्यता के लिए घातक हैं। दूसरी ओर, यदि हमें कुछ अधिक आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही होती है तो हम रिश्ते-नातों को भी भूल जाते हैं। भूल ही नहीं जाते, तोड़ भी डालते हैं। पैसों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होते हैं आपसी संबंध और एक दूसरे पर विश्वास। यदि हमें बहुत अधिक सोच-समझकर बात करने अथवा व्यवहार करने की जरूरत नजर आ रही है तो इसका सीधा-सा अर्थ है कि हमारा परस्पर विश्वास और हमारे आपसी संबंध खंडित हो चुके हैं अथवा खंडित होने के कगार पर हैं। हमारे सोच-समझकर काम करने अथवा बात करने का कोई महत्व नहीं यदि उससे झूठ-फरेब का साम्राज्य प्रतिष्ठित होता है और हमारा आपसी विश्वास खंडित होता है। ऐसी समझदारी का कोई मूल्य नहीं, जिससे घर-परिवार, समाज अथवा राष्ट्र विघटित होता है। हमारी ऐसी समझदारी, जिससे हमारे बच्चों में हमसे भी ज्यादा ऐसी समझदारी विकसित हो जाए सचमुच बहुत नुकसानदायक है। ज्यादा समझदारी वास्तव में हमारे लिए अभिशाप के समान होती है। इस संदर्भ में निदा फाजली साहब का एक शे'र याद आ रहा है— दो और दो का जोड़ हमेशा चार कहां होता है, सोच-समझ वालों को थोड़ी नादानी दे मौला। जो हमेशा दो और दो चार के फेर में रहते हैं उनके निर्णयों को सही नहीं कहा जा सकता। हमारे अति समझदारी भरे निर्णयों का अन्य लोगों अथवा समाज पर क्या दुष्प्रभाव पड़ेगा हम कम ही सोचते हैं क्योंकि हम आत्म-केंद्रित होते जा रहे हैं। घोर व्यावसायिकता व स्वार्थ परायणता से तटस्थ होकर ही हम सही निर्णय ले सकते हैं। इसके लिए ज्यादा समझदारी की जरूरत नहीं। मान लीजिए कि दिन में धूप खिली हुई है और कोई पूछे कि आज कैसा मौसम है तो इसका एक ही उत्तर होगा कि आज धूप खिली हुई है। इसमें सोचने की क्या बात है? जब कोई चीज पूरी तरह से स्पष्ट हो और हम बिना बात सोचें कि क्या जवाब देना है तो हम गलत नहीं बल्कि बहुत गलत दिशा में जा रहे हैं। यह संकेत है कि हम जरूरत से ज्यादा समझदार हो रहे हैं इसलिए अब थोड़ा नादान बनने का समय आ गया है। इसका यह अर्थ बिलकुल नहीं कि हम सही दिशा में सोचना बंद कर दें। हम सही सोचें और गलत का स्पष्ट रूप से विरोध करें। हम अपनी अज्ञानता अथवा कमियों को छुपाने के लिए भी ज्यादा समझदारी की बातें करने लगे हैं। यह भी सच्चाई पर पर्दा डालने जैसी ही बात है। सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए ही यदि हम भली-भांति सोच-समझकर बातें करते हैं तो इसे कैसे महत्व दिया जा सकता है? यदि हम सच्चाई पर पर्दा डालने की बजाय उसे सरलता से स्वीकार कर लें तो इससे बड़ी समझदारी की बात हो ही नहीं सकती। बच्चों को हम नादान कह देते हैं क्योंकि वे बिना सोचे-समझे कि इसका क्या परिणाम होगा सच बोल देते हैं। ये नादानी नहीं सरलता व निष्कपटता है। हमारे लिए भी यही श्रेयस्कर होगा कि हम बच्चों की तरह सरल व निष्कपट बनने का प्रयास करें। स्वाभाविकता के लिए किसी प्रकार के विशेष प्रयास की आवश्यकता नहीं होती। अस्वाभाविक, गलत अथवा काल्पनिक तथ्यों को स्थापित करने के लिए ही अधिक प्रयास करने की आवश्यकता होती है। आज इस प्रकार के प्रयासों में ही हमारी अधिकांश उपयोगी ऊर्जा का दुरुपयोग हो रहा है। जो सरल व्यक्ति होता है उसकी ऊर्जा का दुरुपयोग नहीं होता। हमारी सोच-समझ ऐसी होनी चाहिए, जिससे सकारात्मक जीवन मूल्य प्रतिष्ठित हो सकें। यह तभी संभव है जब हमारी सोच केवल सकारात्मक हो और हम पक्षपात रहित होकर निडरतापूर्वक अपनी बात कहने का साहस जुटा पाएं।

सू-दोकू नवताल -2046

		9	2	7		5		
4	2				9			7
1				4				9
		7		2	3		8	
6								2
	1		9	6		3		
9				8				6
7			3				2	1
		6		1	5	7		

सू-दोकू -2045 का हल

6	3	7	2	4	5	9	8	1
5	1	8	3	7	9	6	4	2
4	9	2	6	1	8	7	3	5
1	7	9	8	5	2	3	6	4
3	8	5	7	6	4	2	1	9
2	6	4	9	3	1	8	5	7
9	2	1	5	8	6	4	7	3
7	5	6	4	2	3	1	9	8
8	4	3	1	9	7	5	2	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2046

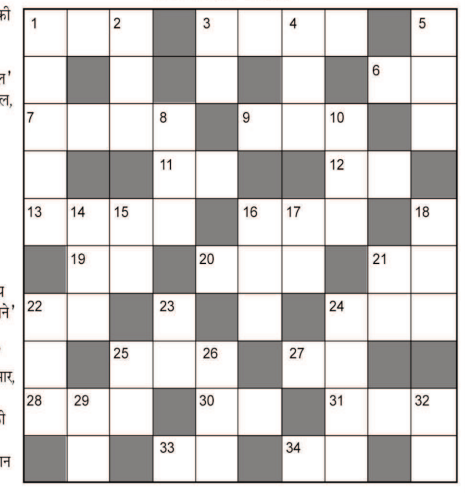

बायें से दायें:-

1. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-3
3. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-2,2
6. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-2
7. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-4
9. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-3
11. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-2
12. अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-2
13. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
16. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-3
19. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-2
20. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-3
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
22. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-2
24. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-3
25. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-3
27. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-2
28. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-3
30. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-2
31. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-3
33. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टार रीमेक-2
34. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-2

ऊपर से नीचेः-

1. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-2,3
2. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-3
3. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-2
4. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-3
5. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-3
8. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-3
10. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-3
14. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-3
15. 'विक्टोरिया नं. 203' में प्राण का नाम-2
16. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-3
17. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-2
18. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-3
21. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-2
22. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-3
23. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-2
24. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-4
25. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-2
26. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-3
29. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-2
32. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2045

उ	म	रा	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	वा		श	वा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्ञा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
रा	त	ओ	र	दि	न		रे		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

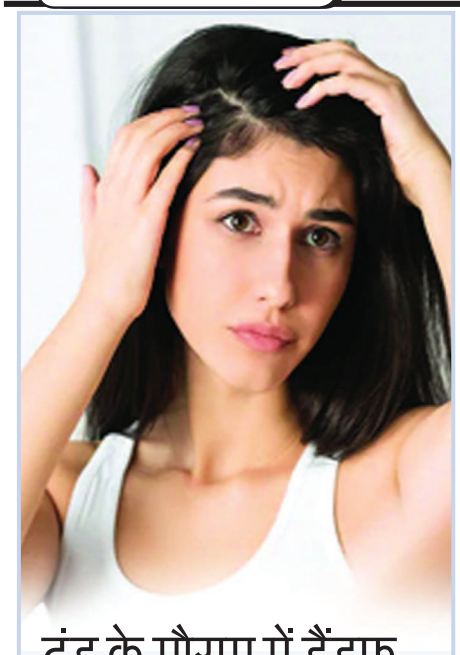

ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्के हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं? खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।

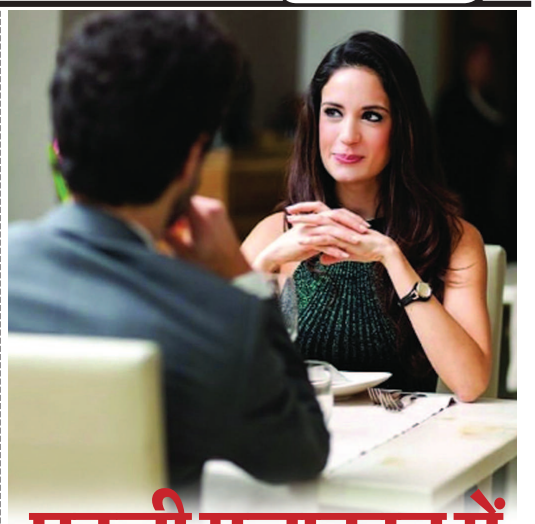

पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्प्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की- सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-

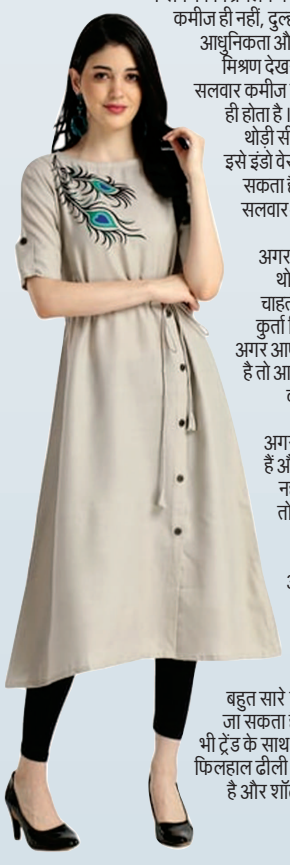

अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5 '3'' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे। सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।

क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है।

ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं.तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर रिजर्व बैंक -सरकार के बीच चर्चा जारी, गवर्नर शक्तिकांत दास ने कही ये बड़ी बात

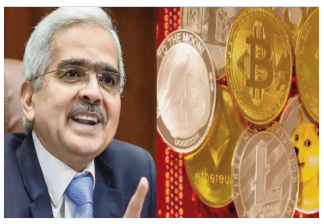

बिजनेस डेस्क।

सोमवार को क्रिप्टोकरेंसी के मुद्दे पर चर्चा करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी राय व्यक्त की। आर बी आई गवर्नर ने कहा कि कई अन्य मुद्दों की तरह, यह विशेष मुद्दा आंतरिक रूप से आरबीआई और सरकार के बीच चर्चा में है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि हम इस मुद्दे को लेकर गंभीर है और यही कारण है कि हर बिंदु पर हम केंद्र सरकार के साथ चर्चा कर रहे हैं। दास ने कहा कि इसके अलावा मुझे लगता है कि मैं इस मुद्दे को लेकर और अधिक विस्तार नहीं करना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास इससे संबंधित जो भी बिंदु हैं, हमने सरकार के साथ उनको लेकर गहन चर्चा की है।

वित्त मंत्री बोलीं, एक-दूसरे का सम्मान

इस मौके पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि न केवल क्रिप्टोकरेंसी पर बल्कि हर दूसरी चीज पर भी, मुझे लगता है कि पूरी तरह से सामंजस्य है जिसके साथ हम काम कर रहे हैं, एक-दूसरे के डोमेन का सम्मान करते हुए हम यह भी जानते हैं कि हमें एक-दूसरे की प्राथमिकताओं के साथ क्या करना है और के हित में राष्ट्र। यहां कोई टफिंग नहीं है। के हित में राष्ट्र। यहां कोई टफिंग नहीं है।

हरित बांड जारी करने के बारे में निर्णय अगले महीनेः रिजर्व बैंक गवर्नर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा कि बजट में घोषित सरकारी हरित बांड के बारे में निर्णय अगले महीने किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा था कि सरकार हरित बुनियादी ढांचे के लिए संसाधन जुटाने को बांड जारी करेगी। वित्त मंत्री के आरबीआई निदेशक मंडल को संबोधित करने के बाद दास ने कहा कि नकद और ऋण प्रबंधन पर निगरानी समूह की अगले महीने बैठक होगी और हरित बांड जारी करने की योजना बनाई जाएगी। परंपरा के अनुसार बजट बाद वित्त मंत्री रिजर्व बैंक निदेशक मंडल को संबोधित करती हैं। उन्होंने कहा, ''कई ऐसे निवेशक हैं जिनके पास हरित बांड में निवेश को लेकर अलग से कोष है। इसी को देखते हुए हरित बांड लाने का निर्णय किया गया यानी जब आप हरित बांड जारी करते हैं इसका मकसद साफ होता है और यह अलग उद्देश्य के लिये होता है।'' इससे घरेलू बांड बाजार में अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की भागीदारी व्यापक होगी। इसका कारण कई ऐसे कोष हैं, जो केवल हरित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में ही निवेश करना चाहते हैं। बजट में संकेत दिया गया है कि हरित बांड अगले वित्त वर्ष के लिए कुल कर्ज का हिस्सा होगा। सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कोविड-19 महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए अपने व्यय जरूरतों को पूरा करने को लेकर रिकॉर्ड 11.6 लाख करोड़ रुपए बाजार से जुटाने का लक्ष्य रखा है। वैश्विक सूचकांकों में सरकारी प्रतिभूतियों को शामिल किए जाने के बारे में उन्होंने कहा, ''यह प्रक्रिया में है। पूर्व में सरकारी बांड को लेकर निवेशकों की पूर्ण रूप से पहुंच की व्यवस्था थी। इसमें कुछ सरकारी प्रतिभूतियों तक विदेशी निवेशकों की पूर्ण रूप से पहुंच थी।

स्पाइसजेट के प्रस्तावों से मारन और काल एयरवेज ने जताई असहमति

नयी दिल्ली ।

काल एयरवेज और मीडिया उद्यमी कलानिधि मारन ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि शेयर हस्तांतरण मामले में ब्याज भुगतान को लेकर स्पाइसजेट के साथ जारी विवाद के समाधान के लिए पेश दोनों प्रस्तावों पर वे सहमत नहीं हैं। एक मध्यस्थता अधिकरण के निर्णय के तहत स्पाइसजेट को इन दोनों को करीब 920 करोड़ रुपये लौटाने थे। इनमें से 243 करोड़ रुपये की ब्याज राशि के भुगतान को लेकर विवाद चल रहा है। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना एवं न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने इस मामले की सुनवाई शुरू होने पर काल एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड और मारन से यह जानना चाहा कि क्या स्पाइसजेट की तरफ से रखे गए प्रस्तावों पर वे सहमत हो सकते हैं? वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने पीठ के सवाल का जवाब देते हुए कहा, ÷दोनों ने स्पाइसजेट की तरफ से रखे गए प्रस्तावों पर गौर किया है लेकिन उन्हें ये स्वीकार्य नहीं हैं। स्पाइसजेट ने अपने पहले प्रस्ताव में कहा था कि वह इस मामले के निपटारे के लिए 300 करोड़ रुपये का पूरा एवं अंतिम भुगतान करेगी। वहीं दूसरे प्रस्ताव में उसने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के पास बैंक गारंटी के रूप में जमा कराए गए 270 करोड़ रुपये में से वह अभी 100 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी और शीर्ष अदालत मध्यस्थता अधिकरण के निर्णय के खिलाफ दायर अपील का त्वरित निपटारा करने का निर्देश उच्च न्यायालय को दे।

मुख्य न्यायाधीश की अगुआई वाली पीठ ने प्रस्तावों पर सहमति नहीं बन पाने के बाद अगली सुनवाई के लिए दो मार्च की तारीख मुकर्रर कर दी। इसके पहले 10 फरवरी को हुई सुनवाई में स्पाइसजेट के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा था कि काल एयरवेज के पक्ष में आए मध्यस्थता निर्णय और उच्च न्यायालय के पास 275 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी भी जमा की है।

इल्कर आयसी एयर इंडिया के सीईओ, प्रबंध निदेशक नियुक्त

मुंबई ।

टाटा संस ने तुर्की एयरलाइंस के पूर्व चेयरमैन इल्कर आयसी को अपनी विमानन कंपनी एयर इंडिया का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। टाटा संस ने सोमवार को एक बयान में कहा कि एयर इंडिया के निदेशक मंडल ने आयसी की उम्मीदवारी पर चर्चा करने के लिए सोमवार दोपहर एक बैठक आयोजित की। बैठक में आयसी की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। यह नियामकीय मंजूरी पर निर्भर है। कंपनी के बयान के अनुसार बैठक में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को मंजूरी के लिए विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया। बयान में कहा गया कि आयसी की नए पद पर नियुक्ति नियामकों की मंजूरी के अधीन है। वह इस साल एक अप्रैल या उससे पहले अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। चंद्रशेखरन ने कहा, ÷आयसी विमानन उद्योग क्षेत्र के बड़े जानकार हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान विमानन कंपनी तुर्की एयरलाइंस को सफलता की तरफ ले जाने का नेतृत्व किया। हमें टाटा समूह में इल्कर का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। हमें भरोसा है कि वे एयर इंडिया को नए युग में ले जाएंगे। आयसी ने कहा, मैं एक प्रतिष्ठित विमानन कंपनी का नेतृत्व करने और टाटा समूह में शामिल होने पर प्रसन्न और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, ÷एयर इंडिया में अपने सहयोगियों और टाटा समूह के नेतृत्व के साथ मिलकर काम करते हुए हम एयर इंडिया की मजबूत विरासत का उपयोग कर इसे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ विमान कंपनियों में से एक बनाएंगे। गौरतलब है कि सरकार ने पिछले साल आठ अक्टूबर को एयर कंपनी की अनुषंगी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड को 18,000 करोड़ रुपये में बेच दिया था। इंडिया को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी की अनुषंगी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड को 18,000 करोड़ रुपये में बेच दिया था।

संक्षिप्त समाचार

फ्लिपकार्ट ने पुराने मोबाइल फोन की खरीद-फरोख़्त आसान बनाने और सस्टेकनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए की 'सैल बैक' पेशकश

बेंगलुरु । भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज अपना 'सैल बैक प्रोग्राम' शुरू करने की घोषणा की है जो कि ग्राहकों को अपने पुराने मोबाइल फोन बेचने और बदले में फ्लिपकार्ट इलैक्ट्रॉनिक गिफ्ट वाउचर के रूप में उचित बाय-बैक मोल प्राप्त करने की पेशकश करने वाला भरोसेमंद प्लेकटफार्म है। यह प्रोग्राम सभी तरह के मोबाइल फोन्सो पर लागू होगा, चाहे उन्हें फ्लिपकार्ट से खरीदा गया हो या कहीं और से, साथ ही, इस आने वाले महीनों में कुछ अतिरिक्त कैटेगरीज़ को भी इसमें शामिल करने की योजना है। प्रोग्राम दिल्लीह, कोलकाता और पटना में 1700 पिन कोडों के लिए शुरू हो चुका है और यह फ्लिपकार्ट द्वारा सर्कुलर इकनॉमी में योगदान करने के साथ-साथ अपनी ग्राहक पेशकश में विस्त्रा करते हुए रीकॉमर्स कारोबार को भी मजबूत बनाने की योजना के अनुरूप है।

सैल बैक प्रोग्राम का लॉन्च फ्लिपकार्ट ग्रुप द्वारा हाल में यंत्रा के अधिग्रहण के बाद किया गया है। यंत्रा एक रीकॉमर्स कंपनी है जिसकी शुरुआत रीकॉमर्स पेशकश को सार्थक बनाने के मकसद से की गई थी और यह किफायती रीफर्बिश्डी स्मार्टफोन तक आसान पहुंच का लाभ दिलाते हुए ग्राहकों के लिए एक बेहतर सर्विस इकोसिस्टम सुलभ बनाती है। आईडीसी द्वारा हाल में कराए एक सर्वे से यह खुलासा हुआ है कि भारत में करीब 125 मिलियन पुराने (यूज्ड) फोन उपलब्धे हैं, जिसमें से सिर्फ 20 मिलियन ही वापस बाज़ारों तक पहुंचते हैं। यानि लोगों के घरों में काफी बड़ी मात्रा में ई-वेस्टे जमा है और इसका प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करना वक्तर का तकाज़ा है। फ्लिपकार्ट का सैल बैक प्रोग्राम इसी चुनौती से निपटने के लिए लाया गया है जो ग्राहकों को अपने पुराने डिवाइसों को बेचने और उनसे होने वाली आय से फ्लिपकार्ट पर कुछ भी मनपसंद खरीदने का विकल्पइ देता है।

Amazon.in पर 'इंडिया ऑडी ओपी बाजार' लॉन्च करने के लिए अमेज़न इंडिया ने इन्वेस्ट इंडिया और आईआईए के साथ हाथ मिलाया

बैंगलोर । अमेज़न इंडिया ने आज Amazon.in पर इंडिया ऑडीओप (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) मार्केट लॉन्च करने के लिए इन्वेस्ट इंडिया और इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (IIA) के साथ साझेदारी की घोषणा की। भारत सरकार के माननीय केंद्रीय एमएसएमई मंत्री, श्री नारायण राणे ने इस समर्पित स्टोरफ्रंट का अनावरण किया, जो पूरे भारत में विक्रेताओं के विशेष स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करता है और उनका जश्न मनाता है। इस वर्चुअल इवेंट में श्री दीपक बागला, सीईओ और इन्वेस्ट इंडिया के एमडी, श्री अशोक कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष, आईआईए और श्री मनीष तिवारी, कंट्री मैनेजर, इंडिया कंज्यूमर बिजनेस, एमेजॉन इंडिया उपस्थित थे। भारत के ओडीओपी बाजार में सभी भारतीय राज्यों में सैकड़ों स्थानीय व्यापार ओडीओपी और भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पाद शामिल होंगे। इन्वेस्ट इंडिया और आईआईए के साथ इस सहयोग के माध्यम से, अमेज़ॅन अपने भारतीय बाज़ार www.amazon.in पर क्षेत्रीय उत्पादों को बेचने वाले विक्रेताओं को ऑनबोर्डिंग और लॉन्च करने के लिए अपने समर्थन का प्रदर्शन जारी रखता है। स्टोरफ्रंट स्थानीय भारतीय कारीगरों द्वारा बनाए गए हथकरघा और हस्तशिल्प के साथ-साथ पूरे भारत से स्थानीय रूप से उत्पादित कृषि विशिष्टताओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। इंडिया ओडीओपी बाजार ग्राहकों को एक इंटरैक्टिव और आकर्षक अनुभव प्रदान करेगा, वे क्षेत्रीय पुष्टों पर जा सकेंगे और भारत भर के विभिन्न जिलों से ओडीओपी उत्पादों के बारे में अधिक पढ़ सकेंगे और सूचित खरीदारी कर सकेंगे। उन्हें लखनऊ में चिकनकारी, छत्तीसगढ़ के ढोकरा मेटल क्राफ्ट, कर्नाटक के चिकमगलूर की कॉफी, ओडिशा के संबलपुर से संबलपुरी इकत, महाराष्ट्र के सह्याद्री की वर्ली पेंटिंग और असम से मुगा सिल्क के उत्पादों की एक विस्तृत विविधता मिलेगी। ऑनलाइन खरीदारी करने से, ग्राहकों को स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करने और उनके विकास में योगदान करने का अवसर मिलेगा। माननीय केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने कहा, "एमएसएमई नए भारत के आर्थिक विकास का इंजन है। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान के अनुरूप, हमारी सरकार ने एमएसएमई को मजबूत करने और हमारे देश के युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं और कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं।

भेल को तेजस विमान के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर सेट की आपूर्ति का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से तेजस विमानों के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर सेट की आपूर्ति का ऑर्डर मिला है। भेल ने सोमवार को एक बयान में कहा, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स से 83 एलसीए तेजस एमके1ए विमानों के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर सेट की आपूर्ति के लिए ऑर्डर मिला है। कंपनी के अनुसार इस आर्डर में एचएएल द्वारा निर्मित किए जा रहे हल्के लड़ाकू विमान तेजस में फिट किए जाने वाले कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर के निर्माण, संयोजन, परीक्षण और आपूर्ति शामिल हैं। भेल का विशाखापत्तनम में स्थित हेवी प्लेट्स एंड वेसल्स प्लांट (एचपीवीपी) वर्ष 1996 से एचएएल को एलसीए तेजस के लिए हीट एक्सचेंजर का एकमात्र आपूर्तिकर्ता है।

जनवरी में भारत का पाम तेल आयात 29प्रतिशत घटकर 5,53,084 टन पर: एसईए

बिजनेस डेस्क।

देश का पाम तेल का आयात जनवरी में 29.15 प्रतिशत घटकर 5,53,084 टन पर आ गया। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, इस दौरान आरबीडी पामोलीन के आयात में भारी बढ़ोतरी हुई है जिससे घरेलू रिफाइनरियों की परेशानी बढ़ी है। भारत दुनिया का प्रमुख वनस्पति तेल खरीदार है। जनवरी, 2021 में भारत ने 7,80,741 टन पाम तेल का आयात किया था। जनवरी में भारत का कुल वनस्पति तेल आयात 16 प्रतिशत बढ़कर 12.70 लाख टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 10.96 लाख टन रहा था। देश के कुल वनस्पति तेल आयात में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पाम तेल का है। एसईए के अनुसार, आरबीडी पामोलीन और कच्चे पाम तेल (सीपीओ) के बीच शुल्क के अंतर में कमी से आरबीडी पामोलीन के आयात में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि सीपीओ की कीमत पर हुई है। सीपीओ घरेलू रिफाइनरियों के लिए कच्चा माल है। सीपीओ के आयात में कमी से घरेलू रिफाइनरियों प्रभावित होती हैं।

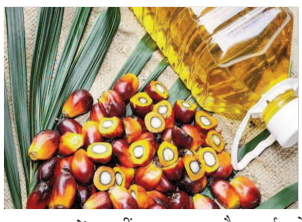

सरकार ने दिसंबर, 2021 में परिष्कृत पाम तेल पर प्रभावी आयात शुल्क 19.25 प्रतिशत से घटाकर 13.75 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, इसके साथ-साथ सीपीओ पर आयात शुल्क नहीं घटाया गया है। एसईए ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान आरबीडी पामोलीन का 8-9 लाख टन का आयात हो सकता है। यह सीपीओ की कीमत पर होगा।

एबीजी शिपयार्ड जैसा घोटाला पकड़ने में औसतन 4.5 साल का वक्त लेते हैं बैंक: सीतारमण

बिजनेस डेस्क।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि एबीजी शिपयार्ड जैसे घोटालों को पकड़ने में बैंक औसतन साढ़े चार साल का वक्त लगाते हैं। एबीजी का खाता पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल में एनपीए बना था। उनका कहना है कि बैंकों ने औसत से कम समय में इसे पकड़ा है। अब इस मामले में कार्रवाई चल रही है। सीतारमण ने सोमवार को भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा ''इस मामले में बैंकों को श्रेय मिलेगा। उन्होंने इस तरह की धोखाधड़ी को पकड़ने के लिए औसत से कम समय लिया।'' वित्त मंत्री ने कहा कि आमतौर पर बैंक इस तरह के मामलों को पकड़ने में 52 से 56 माह का समय लेते हैं और उसके बाद आगे की कार्रवाई करते हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने देश के सबसे बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड और उसके पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला आईसीआईसीआई बैंक की अगुवाई में करीब दो दर्जन बैंकों के गठजोड़ के साथ धोखाधड़ी के लिए दर्ज किया गया है। एबीजी शिपयार्ड का घोटाला नीरव मोदी और मेहुल चौकसी द्वारा पंजाब नेशनल बैंक के साथ 14,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले से भी बड़ा है। सीतारमण ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के कार्यकाल में बैंकों की सेहत सुधरी है और वे बाजार से धन जुटाने की स्थिति में हैं। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति के अनुमान काफी 'मजबूत' हैं। उन्होंने कहा कि अक्टूबर, 2021 से मुद्रास्फीति का रुख नीचे की ओर है। दास ने कहा, ''मुख्य रूप से सांख्यिकी कारक यानी आधार प्रभाव की वजह से मुद्रास्फीति विशेषरूप से तीसरी तिमाही में ऊंची रही है।''

भारत ने चीन से संबंधित 54 मोबाइल ऐप पर लगाई पाबंदी

नयी दिल्ली । भारत ने सोमवार को चीन से संबंध रखने वाले 54 मोबाइल ऐप को सुरक्षा एवं निजता से जुड़े मसलों पर प्रतिबंधित कर दिया जिनमें टेंसेंट एक्सराइवर, नाइस वीडियो बायडु और वीवा वीडियो एडिटर शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक प्रतिबंधित किए गए 54 चीनी ऐप ने कथित तौर पर उपयोगकर्ताओं से अहम मंजूरियां हासिल कर उनसे संवेदनशील जानकारियां जुटाईं। ये ऐप उपयोगकर्ताओं से जुटाई गई जानकारियों का दुरुपयोग कर रहे थे और उसे विरोधी देश में स्थित सर्वरों को भेज रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, प्रतिबंधित किए गए ऐप देश की अखंडता एवं संप्रभुता को खतरे में डालने वाली गतिविधियों में कथित तौर पर लिप्त पाए गए थे। इनसे देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होने की आशंका पाई गई। सूत्रों ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन 54 ऐप को प्रतिबंधित करने के लिए अंतरिम निर्देश जारी कर दिए हैं। मंत्रालय को इस बारे में गृह मंत्रालय से अनुरोध किया गया था। प्रतिबंध के दायरे में आए ऐप में ब्यूटी कैमराः स्वीट सेल्फी एचडी, ब्यूटी कैमराः सेल्फी कैमरा, राइज ऑफ किंग्सडम्सः लॉस्ट क्रुसेड, वीवा वीडियो एडिटर, टेंसेंट एक्सराइवर जैसे लोकप्रिय ऐप भी शामिल हैं। इनके अलावा गेरेना फ्री फायर- इल्यूमिनेट, एस्ट्राक्राफ्ट, फैंसीयू प्रो, मूनचैट, बारकोड स्कैनर-क्यूआर कोड स्कैन और लीका कैम को भी सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया है। इस साल भारत सरकार ने चीन से संबंधित मोबाइल ऐप को प्रतिबंधित किया है। वर्ष 2020 में भी कई प्रमुख चीनी ऐप प्रतिबंधित किए गए थे। जून 2020 में भारत सरकार ने चीनी ऐप पर प्रतिबंध लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच पैदा हुए तनाव के बाद उठाया था।

थोक मुद्रास्फीति जनवरी में घटकर 12.96 प्रतिशत पर, खाद्य वस्तुएं महंगी हुईं

नई दिल्ली।

खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने के बावजूद जनवरी, 2022 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) मुद्रास्फीति घटकर 12.96 प्रतिशत पर आ गई। सरकारी आंकड़ों से सोमवार को यह जानकारी मिली है। दिसंबर, 2021 में थोक मुद्रास्फीति 13.56 प्रतिशत और जनवरी, 2021 में 2.51 प्रतिशत पर थी। थोक मुद्रास्फीति अप्रैल, 2021 से लगातार दसवें माह 10 प्रतिशत से ऊंची बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी, 2022 में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति बढ़कर 10.33 प्रतिशत पर पहुंच गई। दिसंबर, 2021 में यह 9.56 प्रतिशत थी। इसी तरह समीक्षाधीन महीने में सब्जियों की मूल्यवृद्धि 34.85 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले महीने 31.56 प्रतिशत थी। दालों, अनाज और धान की मद्रास्फीति माह-दर-माह आधार पर बढ़ी। अंडा, मांस और मछली की मुद्रास्फीति जनवरी में 9.85 प्रतिशत रही। दूसरी ओर आलू के दाम माह के दौरान 14.45 प्रतिशत और प्याज के 15.98 प्रतिशत कम हुए। विनिर्मित वस्तुओं की मुद्रास्फीति जनवरी में घटकर 9.42 प्रतिशत पर आ गई। दिसंबर, 2021 में यह 10.62 प्रतिशत थी। जनवरी में ईंधन और ऊर्जा खंड में मुद्रास्फीति 32.27 प्रतिशत रही, जो इससे पिछले महीने 32.30 प्रतिशत थी।

रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा, मुद्रास्फीति का रुख अब नीचे की ओर

नयी दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का मानना है कि मुद्रास्फीति का रुख अब नीचे की ओर है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक मूल्यवृद्धि और आर्थिक वृद्धि के बीच एक उचित संतुलन कायम करने का काम जारी रखेगा। रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों की बैठक के बाद दास ने यह बात कही। इस बैठक को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संबोधित किया। दास ने कहा कि रिजर्व बैंक का मुद्रास्फीति का अनुमान 'मजबूत' है, लेकिन इसका रुझान नीचे की ओर है। हालांकि, इसके साथ वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों का जोखिम जुड़ा है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक कोई राय बनाने से पहले कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के एक निश्चित दायरे पर गौर करता है। गवर्नर ने कहा, ''हमारा मुद्रास्फीति का अनुमान काफी 'पुष्ट' है और हम इसपर टिके हुए हैं। यदि कुछ ऐसा होता है जिसके बारे में पहले से पता नहीं है, तो आप जानते हैं। कच्चे तेल की कीमतें एक वजह हैं जिससे मुद्रास्फीति के ऊपर जाने का जोखिम बन सकता है।'' उन्होंने कहा कि मूल्य स्थिरता निश्चित रूप से हमारे दिमाग में है। इसका आशय मुद्रास्फीति के लक्ष्य पर टिके रहने से है। ''रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जानता है और साथ ही उसे वृद्धि के उद्देश्य की भी जानकारी है।'' दास ने कहा कि पिछले साल अक्टूबर से मुद्रास्फीति का रुख नीचे की ओर है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से सांख्यकीय कारणों की वजह से विशेषरूप से तीसरी तिमाही में मुद्रास्फीति ऊंची दिख रही है। इसी आधार प्रभाव का असर अगले कुछ माह के दौरान भी दिखेगा। रिजर्व बैंक ने पिछले ससाह कहा था कि सकल मुद्रास्फीति (हेडलाइन इनफ्लेशन) चालू वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में ऊपर जाएगी।

चैम्पियंस लीग अंतिम 16 में रीयाल मैड्रिड और पीएसजी के मुकाबले पर होंगी नजरें

वाशिंगटन । चैम्पियंस लीग फुटबॉल में अब नाकआउट मुकाबले मंगलवार से शुरू होंगे और सभी की नजरें 13 बार की विजेता रीयाल मैड्रिड और पेरिस सेंट जर्मेन के मैच पर टिकी होंगी। पीएसजी की नजरें पहली बार यह खिताब जीतने पर लगी है लेकिन उसके सामने रीयाल मैड्रिड जैसी धुरंधर टीम है। जवाबी हमले पर तेज खेलने वाली टीमों के खिलाफ पीएसजी को दिक्कत आती है और मैड्रिड इसमें माहिर है। मैड्रिड का आक्रमण हालांकि बहुत हद तक करीम बेंजीमा पर निर्भर होगा जिनका चोट के कारण खेल पाना अनिश्चित है। उनके विकल्प के तौर पर जेरेथ बेल हैं जो खराब फॉर्म में हैं। दूसरी ओर पीएसजी की उम्मीदें काइलियान एमबाप्पे की टिकी होंगी। मिडफील्ड में मैड्रिड के पास लुका मोडरिच और केसमिरो जैसे दिग्गज हैं। मैड्रिड 2018 में यूरोपीय कप खिताब की हैट्रिक लगाने के बाद से फाइनल में नहीं पहुंच सका है। दूसरे मैच में फॉर्म में चल रही मैनचेस्टर सिटी का सामना स्पोर्टिंग से होगा। वहीं साल्जबर्ग की टक्कर बायर्न म्युनिख से और इंटर मिलान का सामना लिवरपूल से होगा।

शीतकालीन ओलंपिक

डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बावजूद खेलेगी रूसी स्केटर वालिएवा

बीजिंग ।

शीतकालीन ओलंपिक से पहले डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बावजूद रूस की टीनएजर कामिला वालिएवा खेलों में महिलाओं की फिगर स्केटिंग स्पर्धा में भाग ले सकेगी। वालिएवा का प्रदर्शन कैसा भी रहेगा वह पदक वितरण समारोह में भाग नहीं ले पाएगी। उनके अलावा शीर्ष तीन में रहने वाली अन्य दो खिलाड़ियों के लिये भी पदक वितरण समारोह नहीं होगा। खेल पंचाट ने सोमवार को जारी व्यवस्था में कहा कि 15 वर्ष की वालिएवा को पूरी जांच के बिना अस्थायी तौर पर निलंबित करने की जरूरत नहीं है। पंचाट ने उसके पक्ष में फैसला इसलिए दिया क्योंकि वह अवयस्क है या 'सुरक्षित व्यक्ति है और उसके लिए नियम वयस्क खिलाड़ियों से अलग होंगे। सीएएस के महानिदेशक मथियू रीब ने कहा, 'पैनल का मानना है कि इस खिलाड़ी को ओलंपिक में भाग लेने से रोकने पर उसे अपूरणीय क्षति होगी। वालिएवा और रूस के बाकी स्केटरों का लक्ष्य अब महिलाओं की फिगर स्केटिंग स्पर्धा में क्लीन स्वीप करने का होगा। प्रतियोगिता मंगलवार से बृहस्पतिवार तक चलेगी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने बाद में कहा कि यदि वालिएवा शीर्ष तीन में जगह बनाती है तो फिर खेलों के दौरान पदक वितरण समारोह नहीं होगा। वालिएवा और रूसी टीम ने एक सप्ताह पहले जिन टीम स्पर्धाओं में पदक जीता है उनका भी पदक वितरण समारोह का आयोजन नहीं किया जाएगा। आईओसी ने कहा, 'पदक वितरण समारोह का आयोजन करना सही नहीं होगा। वालिएवा को 25 दिसंबर को प्रतिबंधित दवा के सेवन का दोषी पाया गया था लेकिन स्वीडन की लैब का यह जांच नतीजा एक सप्ताह पहले ही आया है। इससे पहले वह रूसी ओलंपिक समिति के लिये स्वर्ण जीत चुकी थी।

रिपोर्ट आने में छह सप्ताह के विलंब का कारण स्पष्ट नहीं है लेकिन रूसी अधिकारियों का कहना है कि जनवरी में ओमीक्रोन वैरिएंट के प्रसार के कारण लैब में स्टाफ कम था। रूसी डोपिंग निरोधक एजेंसी ने उस पर तुरंत प्रतिबंध लगा दिया था जिसे एक दिन बाद हटा दिया गया। आईओसी और अन्य ने अपील की जिससे मामले की त्वरित सुनवाई हुई। वालिएवा ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिये अपना पक्ष रखा।

भारतीय बल्लेबाजी कोच ने बताया ऋषभ पंत इस जगह टीम के लिए अधिक उपयोगी

कोलकाता ।

भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने सोमवार को कहा कि ऋषभ पंत का निचले मध्यक्रम में बेहतर उपयोग किया जा सकता है और टीम ने इस विकेटकीपर बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में भेजने के बारे में अभी फैसला नहीं किया है। पंत को हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान एक मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा गया था। राठौड़ से पूछा गया कि क्या टीम प्रबंधन पंत को भविष्य में सीमित ओवरों की क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में देखता है, तो उन्होंने कहा कि इस आक्रामक बल्लेबाज का निचले मध्यक्रम में बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से कहा कि अभी इसमें बहुत समय है। मैं नहीं जानता कि मैं 2023 के बाद टीम का हिस्सा रहूंगा या नहीं। जहां तक ऋषभ की बात है तो वह शानदार खिलाड़ी है वह कभी भी शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है। यह उस समय की टीम की स्थिति और तब टीम उससे क्या चाहती है, इस पर निर्भर करता है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि वह 2023 के बाद भी टीम का महत्वपूर्ण सदस्य रहेगा। उन्होंने कहा कि लेकिन हम निचले मध्यक्रम में उसका बेहतर उपयोग कर सकते है जो कि वास्तव में चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि मध्यक्रम में हमारे पास बायें हाथ के बल्लेबाज के अधिक विकल्प नहीं हैं। हम उस समय देखेंगे कि वह किस स्थान पर अधिक उपयोगी हो सकता है। पंत दूसरे वनडे में सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे थे लेकिन तीसरे वनडे में शिखर धवन की वापसी के बाद वह पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिये आये थे।

दक्षिण अफ्रीका के पीटरसन, इंग्लैंड की हीथर नाइट बनी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई । दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कीगन पीटरसन ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंडर-19 विश्व कप स्टार और हमवतन डेवाल्ड ब्रेविस तथा बांग्लादेश के तेज गेंदबाज इबादत हुसैन को पछाड़कर जनवरी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर का पुरस्कार जीता। महिला पुरस्कार इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने जीता जिन्होंने श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू और वेस्टइंडीज की स्टार डिएंड्रा डोटिन को पछाड़ा। पीटरसन ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 0-1 से पिछड़ने के बावजूद तीन मैचों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका की 2-1 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने दूसरे टेस्ट में पहली पारी में 62 रन बनाए जिससे उनकी टीम मामूली बढ़त हासिल करने में सफल रही। इसके बाद 240 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने 28 रन की पारी खेली। अंतिम टेस्ट में पीटरसन ने दोनों पारियों में अर्धशतक जड़े। उन्होंने 212 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 82 रन की शानदार पारी खेली जिससे दक्षिण अफ्रीका ने वापसी करते हुए मैच और श्रृंखला जीती। पीटरसन श्रृंखला के शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने 276 रन बनाए और उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। नाइट ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ कैनबरा में एकमात्र एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की कप्तानी की और मैच में शीर्ष स्कोरर रहीं। पहली पारी में आस्ट्रेलिया ने 9 विकेट पर 337 रन बनाकर पारी घोषित की। इसके जवाब में इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए लेकिन आस्ट्रेलिया की गेंदबाजों के पास तीसरे ओवर में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी नाइट का कोई जवाब नहीं था।

हार्दिक पांड्या ने शुरू किया अभ्यास, अच्छी गेंदबाजी कर रहे : गुजरात टाइटंस के कोच

स्पोर्ट्स डेस्क ।

हार्दिक पांड्या की लंबे समय से चली आ रही पीठ की समस्या ने उन्हें पिछले डेढ़ साल से अधिक समय तक गेंदबाजी से दूर रखा है। पांड्या आईपीएल 2022 में नई आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस का नेतृत्व करते हुए दिखाई देंगे और वह इसके लिए तैयारी करत रहे हैं और गेंदबाजी कर रहे हैं। अक्टूबर 2019 में पांड्या की पीठ की सर्जरी हुई के बाद उन्होंने बहुत कम गेंदबाजी की। उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार यूएई में 2021 टी 20 विश्व कप के दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ गेंदबाजी की थी। हालांकि सर्जरी और टी20 विश्व कप के बीच भारत और मुंबई इंडियंस में योगदान देने में असमर्थ रहे। टी 20 विश्व कप में उन्होंने भारत के सुपर 12 लीग के सभी पांच मैच खेलने के बावजूद 2 मैचों में केवल चार ओवर फेंके थे। गुजरात टाइटंस के स्पिन गेंदबाजी कोच आशीष कपूर के अनुसार उनके ऑलराउंडर कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीने से मैं बहरीन में हूं, मैं वहां राष्ट्रीय टीम को कोचिंग दे रहा था। इसलिए जब से हमने उन्हें रिटेन किया है तब से नेहरा उनके साथ लगातार संपर्क में हैं और नेहरा उनसे बात कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि उनके लिए अभ्यास सत्र की व्यवस्था की गई है जिसमें वह कैसे और कहां अभ्यास करें तथा उन चीजों को पूरा करें। कपूर ने कहा कि उसे एक शिविर के लिए आने से पहले कुछ रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के लिए कहना, जो मार्च के मध्य में हो सकता है। इसलिए वह भी वही गेंदबाजी करना शुरू कर रहा है जो उसने नेहरा से कहा है। उसने गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है, वह अच्छी गेंदबाजी कर रहा है और बल्लेबाजी करने में उसे कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि मुख्य रूप से हम जानना चाहते हैं कि क्या वह हमारे लिए भारतीय टीम की तरह गेंदबाजी कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर वह गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों कर सकता है तो यह एक अतिरिक्त फायदा है क्योंकि भारत में बहुत अधिक ऑलराउंडर (मध्यम गति के ऑलराउंडर) नहीं हैं। वह अकेला है जिसके बारे में आप इस समय सोच सकते हैं इसलिए अगर आपके पास वह ऑलराउंडर है तो मुझे लगता है कि आप प्लस साइड पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल में वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की उपलब्धता पर क्रिकेट वेस्टइंडीज का बयान आया सामने

सेंट जॉन्स । क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने सोमवार को घोषणा की कि वेस्टइंडीज के सभी खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के लिए उपलब्ध होंगे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा, सीडब्ल्यूआई ने प्रत्येक वर्ष अपने आईसीसी फ्यूचर टूर प्रोग्राम में टूर्नामेंट के लिए एक विंडो रखी और खिलाड़ियों को उनके रिटेनर कॉन्ट्रेक्ट की गारंटी भी दी है। इसलिए वेस्टइंडीज के खिलाड़ी हर साल आईपीएल में हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह से उपलब्ध रहते हैं। गौरतलब है कि फ्रेंचाइजियों द्वारा कीरोन पोलार्ड, सुनील नारायण और आंद्रे रसेल सहित 14 वेस्टइंडीज को नीलामी से पहले उनको रिटेन किया था। वहीं, नीलामी में ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरन, जेसन होल्डर, शिमरोन हेत्माएर, रोमारियो शेफर्ड, ओडिन स्मिथ, रोवमैन पॉवेल, डोमिनिक ड्रेक्स, अल्जारी जोसफ, शेरफेन रदरफोर्ड, फैबियन एलन, ओबेद मैककॉय, एविन लुईस और काइल मेयर्स को शामिल किया गया था। आईपीएल में वेस्टइंडीज के सबसे अधिक 17 खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे।

श्रीलंकाई टीम को लगा जुर्माना, मैच के दौरान खिलाड़ी ने की थी यह हरकत

सिडनी । आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में धीमी ओवरगति के लिए पर श्रीलंका की टीम पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। वहीं पाथुम निसांका को मैच के दौरान अश्लील शब्दों के प्रयोग के लिए फटकार लगाई गई है। आईसीसी के मैच रैफरी डेविड बून ने यह जुर्माना लगाया। श्रीलंका को निर्धारित समय के भीतर एक ओवर पीछे पाया गया था। आईसीसी की आचार संहिता की धारा 2 . 22 के तहत ओवरगति कम रहने पर खिलाड़ियों पर प्रति ओवर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। श्रीलंका के बल्लेबाज निसांका को चेतावनी दी गई और एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया। यह घटना उस समय की है जब बल्लेबाजी करते हुए वह एक गेंद चूक गए थे और स्टम्प माइक पर उनकी आवाज साफ सुनाई दी जिसमें उन्होंने अश्लील शब्दों का प्रयोग किया। जब बल्लेबाजी करते हुए वह एक गेंद चूक गए थे और स्टम्प माइक पर उनकी आवाज साफ सुनाई दी जिसमें उन्होंने अश्लील शब्दों का प्रयोग किया।

मुंबई इंडियन्स का हमेशा लघुकालीन लक्ष्य और दीर्घकालीन विजन रहा है: नीता अंबानी

मुंबई ।

मुंबई इंडियन्स की मालिक नीता अंबानी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के लिए जोफ्रा आर्चर के उपलब्ध नहीं होने के बावजूद इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज को आठ करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि में खरीदने के बाद कहा कि उनकी टीम का 'हमेशा लघुकालीन लक्ष्य और दीर्घकालीन विजन' होता है। आर्चर दाईं कोहनी की सर्जरी से उबर रहे हैं लेकिन इसके बावजूद पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियन्स ने नीलामी के दूसरे दिन रविवार को इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज के लिए बड़ी बोली लगाई जबकि राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद भी बोली लगाने से पीछे नहीं हटे। इससे जाहिर होता है कि फ्रेंचाइजी की नजरें दीर्घकालीन योजना पर टिकी हैं फिर इसके लिए भले ही आगामी सत्र में उन्हें आर्चर के बिना खेलना पड़े। नीता ने नीलामी के बाद कहा, ''मुंबई इंडियन्स का हमेशा लघुकालीन लक्ष्य और दीर्घकालीन विजन होता है। हमने जो खिलाड़ी खरीदे हैं उनमें से कुछ दीर्घकालीन विजन को देखते हुए खरीदे गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें हमारे प्रशंसकों को आश्वस्त करना था कि नीलामी में हमने अपना सर्वश्रेष्ठ किया और खिलाड़ियों को ध्यान में रखते हुए हमें उम्मीद है कि हम अच्छा खेलकर अपने प्रशंसकों को खुश कर पाएंगे।'' पंजाब किंग्स ने इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन को 11 करोड़ 50 लाख रुपये में खरीदा लेकिन आर्चर का आठ करोड़ में बिकना हैरानी भरा था। कोहनी की सर्जरी से उबर रहे आर्चर को 2023 और 2024 में खेलने की संभावना को देखते हुए नीलामी में उतरने की स्वीकृति दी गई। युवा सलामी बल्लेबाज इशान किशन को 15 करोड़ 25 लाख रुपये में खरीदने के बाद मुंबई ने टिम डेविड को उनके फिनिशिंग कौशल के कारण आठ करोड़ 25 लाख रुपये में खरीदा। इस साल की नीलामी के संदर्भ में नीता ने कहा, ''मैं नए सत्र को लेकर रोमांचित हूं लेकिन मैं आपको बता दूं कि बड़ी नीलामी बेहद मुश्किल होती है। वर्षों से हमारे परिवार का हिस्सा रहे खिलाड़ियों को जाने देना बहुत मुश्किल होता है। हम उन सभी की कमी खलेगी।'' उन्होंने कहा, ''हार्दिक (पंड्या) हो या कृणाल (पंड्या) या फिर क्विंटन (डिकॉक) या (ट्रेंट) बोल्ट। हमने उन्हें दोबारा खरीदने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन नीलामी में क्या होगा इसकी भविष्यवाणी करना बेहद मुश्किल है।''

बल्लेबाजी कोच राठौड़ ने कहा, पंत मध्यक्रम में अधिक उपयोगी

कोलकाता । भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने सोमवार को कहा कि ऋषभ पंत का निचले मध्यक्रम में बेहतर उपयोग किया जा सकता है और टीम ने इस विकेटकीपर बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में भेजने के बारे में अभी फैसला नहीं किया है। पंत को हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान एक मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा गया था। राठौड़ से पूछा गया कि क्या टीम प्रबंधन पंत को भविष्य में सीमित ओवरों की क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में देखता है, तो उन्होंने कहा कि इस आक्रामक बल्लेबाज का निचले मध्यक्रम में बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पूर्व संवाददाताओं से कहा, ''अभी इसमें बहुत समय है। मैं नहीं जानता कि मैं 2023 के बाद टीम का हिस्सा रहूंगा या नहीं। जहां तक ऋषभ की बात है तो वह शानदार खिलाड़ी है वह कभी भी शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है।'' राठौड़ ने कहा, ''यह उस समय की टीम की स्थिति और तब टीम उससे क्या चाहती है, इस पर निर्भर करता है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि वह 2023 के बाद भी टीम का महत्वपूर्ण सदस्य रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हम निचले मध्यक्रम में उसका बेहतर उपयोग कर सकते है जो कि वास्तव में चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि मध्यक्रम में हमारे पास बायें हाथ के बल्लेबाज के अधिक विकल्प नहीं हैं। हम उस समय देखेंगे कि वह किस स्थान पर अधिक उपयोगी हो सकता है।'' पंत दूसरे वनडे में सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे थे लेकिन तीसरे वनडे में शिखर धवन की वापसी के बाद वह पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिये आये थे। के लिये आये थे। पंत दूसरे वनडे में सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे थे लेकिन तीसरे वनडे में शिखर धवन की वापसी के बाद वह पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिये आये थे।

फाफ डुप्लेसी हो सकते हैं आरसीबी के कप्तान, मुख्य कोच ने दिए संकेत

नई दिल्ली । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के मुख्य कोच संजय बांगड़ ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी के आने से न सिर्फ बल्लेबाजी मजबूत होगी बल्कि उनके नेतृत्व कौशल से भी टीम को फायदा मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका के 37 वर्ष के फाफ डु प्लेसी चेन्नई सुपर किंग्स के साथ रहे हैं। उन्हें आईपीएल की मेगा नीलामी में आरसीबी ने खरीदा। बांगड़ ने टीम द्वारा नीलामी के बाद कहा कि 'फाफ डु प्लेसी के आने से बल्लेबाजी काफी मजबूत होगी। वह शानदार खिलाड़ी है और हमेशा उच्च स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करता आया है उन्होंने कहा कि हमें ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो शीर्षक्रम को मजबूत बनाए और उसके आने से यह समस्या सुलझ गई। उसके पास विभिन्न प्रारूपों में खेलने का अपार अनुभव है और नेतृत्व कौशल भी। आरसीबी ने हर्षल पटेल और श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा को 10.75 करोड़ रूपए में और आस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड को 7.75 करोड़ रूपए में खरीदा। बांगड़ ने कहा कि नीलामी में खरीदे गए खिलाड़ियों से हम खुश हैं। हमारा लक्ष्य टीम में स्थिरता लाना था और टी20 टूर्नामेंट में बदलते हालात के अनुरूप विविधता रखना भी था। हर खिलाड़ी की टीम में ठोस भूमिका होगी और हमने बैकअप के लिए भी मजबूत खिलाड़ी चुने हैं।

आईपीएल नीलामी : अंडर-19 खिलाड़ियों पर बोली लगाने में फ्रेंचाइजियों ने दिखाई सतर्कता

चेन्नई ।

क्रिकेट में 'टाइमिंग का महत्व काफी अधिक है और अंडर-19 क्रिकेट टीम ने आईपीएल की बड़ी नीलामी से पहले विश्व कप जीतकर सही दिशा में कदम बढ़ाया लेकिन क्या इससे स्टार खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में भारी भरकम राशि मिली? दो दिन की नीलामी के बाद पता चला कि भारतीय क्रिकेट के युवा प्रतिभावान खिलाड़ियों पर बोली लगाते हुए फ्रेंचाइजी ने काफी सतर्कता बरती। खुद को साबित कर चुके आवेश खान जैसे 'अनकैप्ड (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ियों के लिए 10 करोड़ रुपए तक की बोलियां लगी लेकिन बेंगलुरू में दो दिन चली नीलामी में कप्तान यश धुल सहित कुछ अंडर-19 स्टार खिलाड़ियों को भी अनुबंध मिले। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा संचालित अकादमी का हिस्सा रहे धुल अंडर-19 विश्व कप के शीर्ष स्कोरर थे और उन्हें उसी फ्रेंचाइजी ने 50 लाख रुपए में खरीदा जिसने उन्हें निखारा था। आलराउंडर राज बावा को उनकी घरेलू टीम पंजाब किंग्स ने 2 करोड़ रुपए में खरीदा जबकि 30 लाख रुपये के आधार मूल्य वाले राजवर्धन हेंगारगेकर के लिए चार बार के चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स ने डेढ़ करोड़ रुपए की बोली लगाई। विक्की ओस्तवाल को दिल्ली कैपिटल्स ने 20 लाख रुपए के उनके आधार मूल्य पर खरीदा। महाराष्ट्र के आलराउंडर राजवर्धन को उनकी यॉर्कर करने की क्षमता के लिए जाना जाता है और अब उन्हें दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेल के गुर सीखने का मौका मिलेगा। ऐसा लगा कि आईपीएल टीम ने अंडर-19 खिलाड़ियों पर बोली लगाते हुए सतर्कता बरती और वे भारी भरकम बोली लगाने को तैयार नहीं थी। अपने आलराउंड कौशल के कारण राज बावा के लिए भारत की अंडर-19 टीम के बीच सबसे अधिक बोली लगी। दक्षिण अफ्रीका के अंडर-19 स्टार डेवाल्ड ब्रेविस के लिए मुंबई इंडियन्स ने तीन करोड़ रुपये खर्च किए और उन्हें भारत के सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा और कीरोन पोलार्ड जैसे दिग्गजों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। 'बेबी एबी% के नाम से मशहूर ब्रेविस को दक्षिण अफ्रीका का भविष्य का सुपरस्टार माना जा रहा है। पिछले कुछ समय में पृथ्वी शॉ और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों को जूनियर विश्व में अच्छे प्रदर्शन के तुरंत बाद फ्रेंचाइजी से लुभावने आईपीएल अनुबंध मिले लेकिन इस बार अंडर-19 खिलाड़ियों पर बोली लगाने में उतना जोश नहीं दिखा। पृथ्वी को 2018 में दिल्ली ने एक करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा था। तब से वह और गिल सीनियर टीम की ओर से पदार्पण कर चुके हैं। गिल को न्यूजीलैंड में अंडर-19 विश्व कप में खेलने के दौरान ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीद लिया था। वह सीनियर टीम की ओर से कुछ यादगार पारियां भी खेल चुके हैं। पृथ्वी और गिल जैसे अंडर-19 विश्व कप 2018 के सदस्य जहां खुद को सीनियर स्तर पर साबित कर चुके हैं वहीं शिवम मावी, कमलेश नागरकोटी, इशान पोरेल और रियान पराग को ऐसा भी करना है। यह आईपीएल का हिस्सा रहे हैं लेकिन नियमित रूप से नहीं खेलते। मावी को नाइट राइडर्स के सात करोड़ 75 लाख रुपए में खरीदा जबकि उनका आधार मूल्य 40 लाख रुपए था। अंडर-19 विश्व कप 2020 के सदस्य कार्तिक त्यागी के लिए सनराइजर्स हैदराबाद ने चार करोड़ रुपये खर्च किए। त्यागी के साथी रहे यश्स्वी जायसवाल को 2020 में राजस्थान रॉयल्स ने दो करोड़ 40 लाख रुपए में खरीदा और नीलामी से पहले चार करोड़ रुपये में अपने साथ बरकरार रखा। अंडर-19 विश्व कप में त्यागी और जायसवाल के साथी रहे लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को नई फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जाइंट्स ने चार करोड़ रुपये में खरीदा। वह पिछले सत्र में पंजाब किंग्स की ओर से खेले थे जिसने उन्हें 2020 में दो करोड़ रुपये में खरीदा था।

अंडर-19 विश्व चैंपियन 2018 टीम के सदस्य अर्शदीप सिंह को आईपीएल 2021 में शानदार प्रदर्शन के बाद पंजाब किंग्स ने चार करोड़ रुपए में अपने साथ बरकरार रखा था। परिपक्व होने के कारण पिछले अंडर-19 विश्व कप के खिलाड़ियों पर अच्छी बोली लगी लेकिन इनकी तुलना में मौजूदा अंडर-19 चैंपियन टीम के खिलाड़ियों पर टीम ने अधिक बड़ा दांव नहीं खेला क्योंकि वे अभी काफी युवा हैं।

'आप' निलंबित महिला नगर पार्षद कुंदन कोठिया भाजपा में शामिल, अब तक 6 पार्षद कटे

अहमदाबाद।

आम आदमी पार्टी (आप) की निलंबित महिला नगर पार्षद ने आज भाजपा जॉइन कर ली। सूरत नगर निगम में आप के 2। पार्षद थे, जिसमें अब तक 6 भाजपा में शामिल हो चुके हैं और यह 1। फरवरी से पहले इनकी संख्या और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि सूरत नगर निगम चुनाव में आप ने 27 सीटें जीत कर विपक्ष में बैठी थी। लेकिन अब सूरत में आप को झटके पे झटके लग रहे हैं। पहले 5 नगर पार्षद आप से पल्ला झाड़ भाजपा में शामिल हो गए और एक महिला पार्षद कुंदन कोठिया ने भगवा धारण कर लिया है। भाजपा में शामिल होने के बाद कुंदन कोठिया ने कहा कि उन्हें कोई भी कारण बताए बगैर पार्टी से सस्पैंड किया गया है। पार्टी ने उन्हें सफाई देने का कोई मौका ही नहीं दिया। कुंदन कोठिया ने आरोप लगाया कि धर्मेन्द्र वालिया उन्हें लगातार परेशान कर रहे थे, इस संदर्भ में मैंने पार्टी से शिकायत भी की थी। लेकिन धर्मेन्द्र वालिया के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। मुझ पर ऑडियो रिकार्ड करने का जो आरोप लगाया गया है वह भी पूरी तरह से निराधार है। कुंदन कोठिया ने कहा कि वह नई दिशा में जाने के लिए भाजपा में शामिल हुई हैं। इस मौके पर भाजपा के महासचिव प्रदीपसिंह वाघेला ने कहा कि आप केवल और केवल झूठे वादे कर जनता को ठगती है। देश में अराजकता फैलाना ही आप की प्राथमिकता है। देश विरोधी पार्टी आप को छोड़ कुंदन कोठिया भाजपा में शामिल हुई हैं, जिनका मैं तहेदिल से स्वागत करता हूं। गौरतलब है कि जो पार्टी प्रामाणिक राजनीति करने का दावा कर रही थी, वही पार्टी आज अपनी विश्वसनीयता गंवा रही है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जब दिल्ली आए थे, तब उन्होंने निर्वाचित 27 नगर पार्षदों को प्रमाणिक बनने और लालच में नहीं आने की सलाह दी थी। लेकिन चुनाव के बाद से अब तक आप के 27 में से 6 नगर पार्षद पार्टी को अलविदा कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। पहले सूरत के 5 नगर पार्षद ऋत्ता काकडिया, भावना सोलंकी, विपुल मोवलिया, ज्योतिका लाठिया और मनीषा कुकडिया ने भाजपा जॉइन की और अब कुंदन कोठिया ने भी आज भगवा धारण कर लिया।

श्री विश्वकर्मा जयंती ध्वजारोहण के साथ मनाई

सूरत भूमि, सूरत!

श्री मारवाड विश्वकर्मा मंडल द्वारा पान्डेसरा स्थित पुनीत नगर सोसायटी में श्री विश्वकर्मा मंदिर में धूमधाम से विश्वकर्मा जयंती महोत्सव मनाया गया!रविवार-सोमवार दो दिवसीय जयंती के अवसर पर रविवार रात भजन कीर्तन के बाद सोमवार सुबह शांती हवन,पुजा आरती,ध्वजा रोहन के बाद महाप्रसादी एवं भंडारा आयोजित किया गया! जयंती महोत्सव में मंडल के अध्यक्ष छगनलाल सुथार ने बहुत खूब सुन्दर आयोजन किया था! सभी समाज बंधुओं के लिए जलपान की विशेष व्यवस्था रखी गई थी !कार्यक्रम सफल बनाने के लिए सुथार समाज के अग्रणी समाज सेवी दीपाराम सुथार,रामाराम सुथार,हरीराम सुथार,मिश्राराम सुथार,समेत अन्य कार्यकर्ताओने पिछले कुछ दिनों से तन मन धन से निस्वार्थ भाव से सेवा दे रहे थे!

योगी को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं सूरत के युवा

सूरत भूमि, सूरत। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के दूसरे चरण में नौ जिलों की 55 सीटों के लिए सोमवार को हुए मतदान में करीब 64.76 प्रतिशत वोट पड़े। हालांकि निर्वाचन आयोग ने शाम पांच बजे तक का ही वोटिंग प्रतिशत जारी किया है। आयोग के अनुसार शाम पांच बजे कर 60.44 प्रतिशत वोट पड़े हैं। मतदान शाम छह बजे तक चला, कई बूथों पर इसके बाद भी वोट डाले गए। चुनाव आयोग अंतिम मतदान प्रतिशत मंगलवार को जारी करेगा।

250 रानीगंज विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार अभय ओझा उर्फ धीरज ओझा को जिताने के लिए सूरत के डिंडोली विस्तार के निकट टी स्टॉल पर आशीष भाई संजय भाई पिंटू पांडे तथा अन्य लोगों द्वारा मतदाताओं को सूरत से प्रयागराज भेजने की व्यवस्था की जा रही है क्योंकि उत्तर प्रदेश का विकास के लिए भाजपा सरकार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश का विकल्प है।

बुजुर्गों के साथ वैलेंटाइन डे का अनोखा सेलिब्रेशन अतुल बेकरी द्वारा

सूरत भूमि, सूरत। वैलेंटाइन प्यार का दिन है जो पूरी दुनिया में मनाया जाता है.लेकिन प्यार सिर्फ प्रेमी प्रेमिका के बीच नहीं बल्कि हर एक जीव के साथ ऐसे नेक विचार के साथ अतुल बेकरी द्वारा वेसू के बिग बाजार के पीछे स्थित भारती मैया चैरिटेबल द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम में पश्चिमी सभ्यता से हटकर वृद्ध मां बाप के साथ वैलेंटाइन डे के दिन माता पिता दिन के रूप में मनाया गया।उत्सव के दौरान, बड़ों को गुलाब दिए गए और उनके साथ रोमांटिक फिल्मी गाने बजाए। साथ ही केक काटकर प्यार से केक खिलाया।

इस मधुर सम्मान ने बुजुर्ग माता-पिता का दिल भर दिया और उन्होंने अतुल बेकरी के अध्यक्ष अतुलभाई वेकारिया और कर्मचारियों को दिल से आशीर्वाद दिया।

गुजरात के 'बेस्ट डेस्टिनेशन फ़ॉर इन्वेस्टमेंट' बनने में बेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ लेबर पीस का भी महत्वपूर्ण योगदान : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट मत व्यक्त किया है कि उद्यमियों-निवेशकों के लिए गुजरात के बेस्ट डेस्टिनेशन फ़ॉर इन्वेस्टमेंट बनने के मूल में बेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा राज्य सरकार के अनुकूल दृष्टिकोण के साथ-साथ लेबर पीस यानि श्रम शांति का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि गुजरात देश में सबसे कम मेन डेज़ लॉस वाला राज्य है। श्रमिकों के सक्रिय सहयोग तथा राज्य सरकार की बिज़नेस फ्रेंडली पॉलिसीज़ से गुजरात औद्योगिक विकास एवं श्रमिक कल्याण मामलों में देश में अग्रसर है। मुख्यमंत्री सोमवार को गांधीनगर में राज्य सरकार के श्रम, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग द्वारा आयोजित श्रम पुरस्कार वितरण तथा ष्ठद्भस्॥ सिस्टम लॉन्चिंग समारोह में अध्यक्षीय वक्तव्य दे रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए श्रम पुरस्कार वितरण की शुरुआत की थी, जिसके अंतर्गत राज्य सरकार उद्योगों में संकट के समय अपनी सूझ-बूझ दिखाने, गुणवत्ता तथा उत्पादकता में वृद्धि करने और औद्योगिक शांति बनाए रखने में योगदान देने वाले श्रमयोगियों को विभिन्न श्रम पुरस्कारों से सम्मानित करती है। गुजरात सरकार ने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई श्रम पुरस्कार वितरण श्रृंखला आज भी जारी रखी है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को विश्वकर्मा जयंती के पर्व पर ऐसे ही 16 श्रमयोगियों को श्रम रत्न, श्रम भूषण, श्रम वीर तथा श्रम श्री/श्रम देवी पुरस्कारों के अंतर्गत प्रतीकात्मक रूप से सम्मानित किया। समग्र राज्य में इस वर्ष इन कैटेगरीज़ में कुल 64 पुरस्कार दिए गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि अपने श्रम, परिश्रम तथा पसीने से उद्योग, व्यापार एवं मैन्युफ़ैक्चरिंग सेक्टर में गुजरात को विकास का रोल मॉडल बनाने वाले नींव के पत्थर समान श्रमिकों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'श्रमेव जयते' तथा 'हर हाथ को काम, हर काम को सम्मान' का मंत्र दिया है। इस मंत्र को साकार करने तथा 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण के लिए राज्य सरकार श्रमिक कल्याण की कई योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर रही है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने श्रमिकों के परिवारों तथा उनकी संतानों की स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी सुविधाओं के लिए भी निरंतर चिंता की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को यू-विन कार्ड देकर उन्हें विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ भी निःशुल्क दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने राज्य की अर्थ व्यवस्था

को गतिमय रखने वाले श्रमिकों को कामकाज के स्थान पर आने-जाने की सुगमता के लिए गो-ग्रीन योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिक व्हीकल की ख़रीद पर सब्सिडी दिए जाने के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में लॉकडाउन के समय 'वन नेशन-वन राशन' के अंतर्गत गुजरात में अन्य राज्यों के श्रमिकों को उनके राज्य के राशन कार्ड पर अनाज दिया गया और इस बात का ध्यान रखा गया कि उन श्रमिकों व उनके परिवारों को भूखा न सोना पड़े। मुख्यमंत्री ने आज़ादी के अमृत वर्ष में आयोजित हो रहे इस श्रम पुरस्कार वितरण समारोह को आबाद भारत के निर्माण में योगदान देने वाले अदना श्रमिकों के सम्मान का अमृत अवसर बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए इंडस्ट्रियल सेफ़्टी एण्ड हेल्थ अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले कामकाज को पारदर्शी एवं सरल बनाने वाली ष्ठद्भस्॥ ऐप भी लॉन्च की।

वीरम सिक्योरिटीज लिमिटेड ने सभी बाधाओं को पार किया और आगे बढ़ गई एक महीने में शेयर की कीमत 59 प्रतिशत बढ़ी

सूरत।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (540252) में सूचीबद्ध, वीरम सिक्योरिटीज लिमिटेड के निदेशक मंडल, जो ब्रांडेड आभूषण और आभूषणों के थोक व्यापारी, खुदरा विक्रेता और व्यापारी के रूप में एकीकृत है, ने हाल ही में एक बोर्ड की बैठक में इक्विटी शेयरों के राइट्स इश्यू पर विचार करने का फैसला किया है। रू 10 के 50 लाख इक्विटी शेयरों में वृद्धि के माध्यम से अधिकृत पूंजी में 5 करोड़ रुपये की होगी बढ़ोतरी

साथ ही बोर्ड ने नाम बदलने की सिफारिश वीरम रियलिटीज लिमिटेड से की है। हालांकि यह वर्तमान में आभूषण क्षेत्र में शामिल है, इसके आभूषण और गहने विभिन्न संस्कृतियों और आयु समूहों से आने वाले विभिन्न ग्राहकों की मांगों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए हैं।

इसके उत्पादों की विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर उपस्थिति है और उच्च, मध्यम और किफायती क्षेत्रों के ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं।वीरम अनुकूलित आभूषण भी बनाता है। इसके पारंपरिक आभूषण और सोने और चांदी के गहने या तो कुंदन, रत्न पत्थर, आदि या सिर्फ सादे सोने या चांदी के साथ बनाए जाते हैं।

एक मानार्थ और अतुलनीय डिजाइन के साथ, उसका आभूषण संग्रह आज की आधुनिक दुनिया की पसंद के लिए बनाया गया है, लेकिन यह एक कालातीत आकर्षण को बरकरार रखता है। गुणवत्ता के लिए उच्चतम ध्यान के साथ तैयार, प्रत्येक आभूषण निश्चित रूप से एक अमूल्य वंशानुगत आइटम बन जाएगा। कंपनी के उत्पादों में अंगूठी, कंगन, हार, झुमके और हार, लटकन आदि शामिल हैं। पिछले 6 महीनों में कंपनी के शेयर प्राइस में 111 फीसदी और सिर्फ एक महीने में 59 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी से निवेशकों को काफी फायदा हुआ है। अब, नाम बदलने के प्रस्ताव के बाद, कंपनी वास्तविकता क्षेत्र में प्रवेश करेगी और एक आवासीय और कॉर्पोरेट रियल एस्टेट परियोजना शुरू करेगी।

वीरम सिक्योरिटीज लिमिटेड ने सभी बाधाओं को पार किया और आगे बढ़ गई एक महीने में शेयर की कीमत 59 प्रतिशत बढ़ी

सूरत। गोपीपुरा में सूरजमंडन पार्श्वनाथ दादा की 400वीं जयंती के अवसर पर पूज्य जैनाचार्य रत्नसुंदरसूरीजी महाराज, आ.पद्मसुंदरसुरिजी, आ. युगसुंदरसुरिजी म., पन्यासप्रवर पद्मदर्शन विजयजी म. आदि विशाल मुनिवृन्द के पावन धाम में इसे बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चूंकि सूरज मंडल पार्श्वनाथ सूरत के सभी लोगों की आस्था का केंद्र है, इसलिए सालगिरि के अवसर पर भक्तों का झुंड घोड़ापुर आता है। ध्वजारोहण का लाभ उमेदचंद रुग्नाथमलजी चावला परिवार को मिला। कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। ओम पुण्य: पुण्य:, प्रियंताम प्रियंताम के आकाश पवित्र मंत्रों से भरा हुआ था। प्रभुजी के मंदिर के शीर्ष पर ड्रोन से फूलों की बारिश हुई। यह ऐतिहासिक घटना सूरत वासियों के लिए अविस्मरणीय रहने वाली थी।

ध्वजारोहण के अवसर पर जैनाचार्य पू. रत्नसुंदरसूरीजी ने कहा कि परमात्मा सरोवर, नदी, समुद्र, पृथ्वी, आकाश से श्रेष्ठ है। परमात्मा से भी बढ़कर, परमात्मा का हाइयू काजल के योग्य है। प्रभु की कृपा से जगत् के प्राणियों के प्रति अपार करुणा थी। तेल पानी में पाया जाता है लेकिन दूध पानी में घुल जाता है। भगवान वास्तव में अच्छे हैं और मुझे लगता है कि वह उनसे ज्यादा प्रिय हैं। हम इस दुनिया में किसी भी आदमी से प्यार करते हैं क्योंकि उसके पास शक्ति है। ऋष्णकाबंधन के कारण व्यक्ति को अच्छा या बुरा महसूस कराता है। प्रभु प्यारा लगे इसका मतलाब यह हैं कि , मुझे प्रभु के सिवा कुछ भी पसंद नहीं है। केवल भगवान एक ऋषि है। सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला श्रोता है। संसार के सभी प्राणियों के प्रति मित्रता ही ईश्वर का एकमात्र सच्चा भक्त है। जब प्रभु को प्रेम का अनुभव होता है, तो मन इच्छा और आकर्षण का त्याग करने के लिए तैयार हो जाता है। प्रभु को पूछना है कि प्रभु! क्या आप मेरे साथ खुश हो

वही करना जो ईश्वर को भाता है और जो ईश्वर को अच्छा नहीं लगता वह न करना ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है। सालगिरि को सही मायने में मनाने का एक ही तरीका है कि भगवान को जो पसंद नहीं है उसे छोड़ दें। उस अव्यवस्था से छुटकारा पाएं जिसकी आज आपको आवश्यकता नहीं है। प्रभु से वादा करो और जीवन से अपराध बोध से छुटकारा पाओ। अगर भगवान को पसंद है, तो भगवान के परिवार को भी प्यार करना चाहिए। चींटियों से लेकर कैटरपिलर तक सभी जीव भगवान के प्रिय हैं। किसी को परेशान मत करो। सिर्फ प्यार करो।भगवान सौभाग्यशाली हैं कि 400 वर्षों से एक ही स्थान पर विराजमान हैं। प्रभु को अपराध से मुक्त होने का संकल्प लेना चाहिए।15 फरवरी को पूज्यश्री नवपारा हीरा बाजार के वाडी में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक व्याख्यान देंगे।

ग्रीनमैन विरल देसाई ने पुलवामा शहीदों को दी श्रद्धांजलि

सूरत के हार्ट्स एट वर्क फाउंडेशन के साथ-साथ ग्रीनमैन विरल देसाई ने ग्रीन उधना रेलवे स्टेशन पर पुलवामा हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। वहीं पुलवामा में शहीदों के सम्मान में लगाए गए चालीस ऊंचे पेड़ों के सामने शहीदों के नाम वाली तक्तियों का अनावरण किया गया। पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाली विशिष्ट हस्तियों को भी च्पर्यावरण सेनानी सम्मानज् से सम्मानित किया गया।

सूरत के हार्ट ऑफ वर्क फाउंडेशन ने क्लाइमेट एक्शन एंड इकोसिस्टम की थीम पर ग्रीन उधना रेलवे स्टेशन को देश, एशिया और दुनिया के पहले मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित किया है। पर्यावरण की थीम पर बने इस मॉडल स्टेशन का सारा काम ग्रीनमैन विरल देसाई द्वारा पुलवामा शहीदों को समर्पित किया गया था, इसलिए हर साल उधना स्टेशन पर पुलवामा हमले की बरसी पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस संबंध में ग्रीनमैन विरल देसाई ने कहा, 'आजादी का अमृत महोत्सवज् के तहत हमने इस साल से च्प्रदूषण के खिलाफ सत्याग्रहज् आंदोलन शुरू किया है, जिसके तहत हमने 'पर्यावरण सेनानी का सम्मान' शुरू किया है। जिस प्रकार देश के सैनिक सीमा पर हमारी रक्षा करते हैं, उसी प्रकार हमें भी पर्यावरण के सिपाही बनकर देश के लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करनी है। इसलिए इस साल हम पर्यावरण सेनानियों का सम्मान कर रहे हैं और अधिक लोगों के पर्यावरण की ओर आने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।"

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में डीएफओ पुनीत नै यर, प्रसिद्ध वनस्पतिशास्त्री डॉ. डॉ मीनू परबिया, वडोदरा एम एस यूनिवर्सिटी के जियोग्राफी डिपार्टमेंट के हेड डॉ बिन्दू भट्ट और समाजसेवक भरतभाई शाह भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि ग्रीन उधना स्टेशन पर देश का पहला पुलवामा स्मारक बनाया गया है, जहां 40 सैनिकों के सम्मान में चालीस बड़े पेड़ लगाए गए थे। इसलिए शहीदों के सम्मान में यहां भारतीय रेलवे का पहला अर्बन फोरेस्ट भी तैयार किया गया है। च्शहीद स्मृति वनज् नाम के इस फोरेस्ट को मियावाकी पद्धति से तैयार किया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)